website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 127 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

कोटा में भीषण सड़क हादसा:
बस पलटने से 3 की मौत, 20 से अधिक घायल

कोटा । कोटा में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जब अहमदाबाद से मध्य प्रदेश जा रही एक निजी बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई,

जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, हादसा नयागांव ओवरब्रिज के पास आरके पुरम थाना क्षेत्र में हुआ। बताया गया कि बस के पलटते ही उसका आगे का शीशा टूट गया और केबिन में बैठे तीन यात्री सड़क पर गिर गए, जिन्हें बाद में एक तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। कोटा शहर की एसपी तेजस्विनी गौतम, अग्निशमन अधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। क्षतिग्रस्त बस में कई यात्री फंसे हुए थे, जिन्हें करीब दो घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बाहर निकाला गया। घायलों को तुरंत न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल कोटा में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार अधिकांश यात्री मध्य प्रदेश के ग्वालियर और भिंड के रहने वाले थे। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, अचानक मवेशियों के सड़क पर आने से बस चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और यह भीषण दुर्घटना हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नितिन नवीन ने राज्यसभा सदस्य के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेकर नई जिम्मेदारी संभाली। यह उनका बतौर सांसद पहला कार्यकाल है और वे बिहार से निर्वाचित हुए हैं। सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ देर बाद

कई अन्य नेताओं ने भी शपथ ली। इनमें भाजपा के विनोद तावड़े, कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी, उपेंद्र कुशवाहा और प्रमोद बोरो शामिल रहे। इसके अलावा विभिन्न राज्यों से कई नए सांसदों ने भी राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण की। सदन में इस दौरान दो प्रमुख हस्तियों को श्रद्धांजलि भी दी गई। महान पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उनके योगदान को याद करते हुए बताया कि उन्होंने अपने आठ दशक लंबे करियर में हजारों गीत गाकर भारतीय संगीत को समृद्ध किया। उन्हें पद्म भूषण, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार सहित कई सम्मान मिले थे। इसके साथ ही पूर्व सांसद मोहसिना किदवई को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने करीब छह दशकों तक सार्वजनिक जीवन में अहम भूमिका निभाई और संसद व राज्य राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सदन के सभी सदस्यों ने खड़े होकर दिवंगत आत्माओं की स्मृति में मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

महिला आरक्षण बिल पर RJD का हमला, सरकार की मंशा पर उठाए सवाल

पटना। राष्ट्रीय जनता दल ने महिला आरक्षण बिल को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि विपक्ष महिला सशक्तीकरण के खिलाफ नहीं है, लेकिन सरकार की मंशा पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस बिल को लाने के पीछे राजनीतिक रणनीति के तहत काम कर रही है। तिवारी ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व मिले, लेकिन इसके लिए सभी दलों के बीच आम सहमति जरूरी है। उनके अनुसार, सरकार ने जिस आधार पर यह प्रस्ताव तैयार किया है, वह 2011 की जनगणना पर आधारित है, जो कई राज्यों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। केंद्र सरकार ने 2029 तक महिला आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने से जुड़े तीन विधेयकों को पेश करने की योजना बनाई है। इस मुद्दे पर संसद में राजनीतिक बहस तेज हो गई है। मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि इस फैसले को लेकर कई राज्यों में असंतोष है और दक्षिण भारत के राज्यों में भी इसका विरोध देखा जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि संसद में भले ही विपक्ष की सीटें कम हों, लेकिन कई सहयोगी दल भी इस पर सरकार से सहमत नहीं हैं। दूसरी ओर, सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि यह कदम महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक है। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री का उद्देश्य 2029 तक इसे लागू करना है और यह महिलाओं को न्याय देने की दिशा में बड़ा कदम है। सरकार ने विपक्ष से अपील की है कि इस बिल को सर्वसम्मति से पास किया जाए, जबकि विपक्ष ने इसे लेकर पारदर्शिता और जनसंख्या आधारित सीट निर्धारण पर सवाल खड़े किए हैं।

महिला आरक्षण का विरोध करने वालों को देश की महिलाओं ने कभी माफ नहीं किया - पीएम मोदी

नई दिल्ली । लोकसभा में महिला आरक्षण समेत महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को देश के लोकतंत्र के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह कानून देश की आधी आबादी यानी महिलाओं को नीति निर्धारण की प्रक्रिया में मजबूत भागीदारी देने वाला है और भारत के विकास को नई दिशा देगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह कानून 25-30 साल पहले ही लागू हो जाना चाहिए था। अगर उस समय इसे लागू किया गया होता और समय-समय पर इसमें सुधार किए जाते, तो देश को और अधिक लाभ मिल सकता था। उन्होंने कहा कि आज का यह अवसर देश की विकास यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ने वाला है और हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि इसके साक्षी बन रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि "विकसित भारत" का अर्थ केवल बुनियादी ढांचे जैसे सड़क, रेल और परियोजनाओं का विकास नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना भी उतना ही जरूरी

है। उन्होंने जोर देकर कहा कि "सबका साथ, सबका विकास" तभी साकार होगा, जब महिलाओं को भी बराबरी से निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि इतिहास गवाह है—जिस-जिसने महिलाओं को अधिकार देने का विरोध किया, देश की महिलाओं ने उन्हें कभी माफ नहीं किया और उनका राजनीतिक भविष्य खराब कर दिया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि 2024 के चुनाव में ऐसी स्थिति नहीं आई, क्योंकि किसी भी दल ने महिला आरक्षण का खुलकर विरोध नहीं किया। पीएम मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से अपील करते हुए कहा कि इस विधेयक को किसी एक पार्टी की उपलब्धि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "अगर हम सभी मिलकर इस प्रयास को आगे बढ़ाएंगे, तो इसका लाभ पूरे देश को मिलेगा। इसका श्रेय किसी एक को नहीं, बल्कि पूरे देश को जाएगा।" प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि पिछले तीन दशकों में लाखों महिलाएं पंचायती राज और स्थानीय निकायों के माध्यम से सशक्त हुई हैं। उन्होंने चुनाव जीतकर प्रशासन और नेतृत्व का अनुभव हासिल किया है, अब समय आ गया है कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर भी अवसर दिया जाए। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जो भी महिलाओं की प्रगति में बाधा बनेगा, उसे महिलाएं राजनीतिक रूप से स्वीकार नहीं करेंगी। अंत में पीएम मोदी ने विश्वास जताया कि यह विधेयक देश की राजनीति की दिशा और दशा दोनों को बदलने में अहम भूमिका निभाएगा और भारत को एक समावेशी एवं सशक्त लोकतंत्र की ओर ले जाएगा।

"माफिया की हड्डी-पसली तोड़ देता है यूपी का बुलडोजर" – बंगाल में TMC पर बरसे CM योगी

बाराबनी/ पश्चिम बंगाल । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के बाराबनी विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों में बंगाल को माफिया राज, आतंक और भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया गया है। आम लोगों, खासकर महिलाओं और युवाओं में भय का माहौल पैदा किया गया है। योगी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि अब बंगाल को इस स्थिति से बाहर निकालने के लिए बदलाव जरूरी है।

यूपी मॉडल से खत्म हुआ माफिया राज

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले वहां भी हालात खराब थे, लेकिन आज कानून व्यवस्था मजबूत हुई है। उन्होंने कहा, "जब यूपी में माफिया की हड्डी-पसली बुलडोजर ठीक करता है और उनकी संपत्ति जब्त कर गरीबों को दी जाती है, तो माफिया राज खत्म हो जाता है। आज यूपी में न दंगा है, न कर्फ्यू—सब चंगा है।" उन्होंने

अयोध्या राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि आज भव्य राम मंदिर बन चुका है, जो नरेंद्र मोदी की गारंटी का परिणाम है।

डबल इंजन सरकार ही समाधान

योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा भेजा गया पैसा बंगाल में जनता तक नहीं पहुंच पाता और TMC के कार्यकर्ता उसे हड़प लेते हैं। उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाना का जिक्र करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि बंगाल में फैली अराजकता, माफिया राज और भ्रष्टाचार का एकमात्र समाधान बीजेपी की 'डबल इंजन' सरकार है और जनता से इसी दिशा में फैसला लेने की अपील की।

दिल्ली में जनगणना का पहला चरण शुरू, डिजिटल तरीके से होगा सर्वे

नई दिल्ली । नई दिल्ली में गुरुवार से जनगणना का पहला चरण शुरू हो गया है। इस चरण को "हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस" कहा जाता है, जिसमें जनसंख्या की गिनती नहीं बल्कि मकानों, इमारतों और रहने की स्थिति से जुड़ी जानकारी जुटाई जाएगी। इस दौरान जनगणना कर्मी घर-घर जाकर 33 सवालों के जरिए बुनियादी सुविधाओं, मकान के स्वामित्व, परिवार के मुखिया के नाम और लिंग जैसी जानकारी एकत्र करेंगे। खास बात यह है कि इस बार पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से होगी और डेटा मोबाइल एप के जरिए दर्ज किया जाएगा, जिससे सटीकता और तेजी सुनिश्चित होगी। यह चरण दो हिस्सों में पूरा होगा। पहला चरण 16 अप्रैल से 15 मई तक एनडीएमसी और छावनी क्षेत्रों में चलेगा, जबकि दूसरा चरण 16 मई से 15 जून तक एमसीडी क्षेत्रों में होगा। झुग्गी-झोपड़ी और घनी आबादी वाले इलाकों को भी सर्वे में शामिल किया गया है।

नेपाल में 7 पूर्व प्रधानमंत्रियों समेत 100 से अधिक नेताओं की संपत्ति जांच का आदेश, बालेन शाह सरकार का बड़ा फैसला

काठमांडू । बालेन शाह के नेतृत्व वाली नेपाल सरकार ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में एक बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लिया। सरकार ने 2006 के बाद सार्वजनिक पदों पर रहे सभी प्रमुख नेताओं और अधिकारियों की संपत्ति की जांच के लिए एक विशेष जांच आयोग के गठन को मंजूरी दी है। इस जांच के दायरे में नेपाल के सात पूर्व प्रधानमंत्री और 100 से अधिक पूर्व मंत्रियों व वरिष्ठ अधिकारियों के नाम शामिल किए गए हैं। सरकार का कहना है कि यह कदम पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में आयोग

सरकारी प्रवक्ता और शिक्षा, विज्ञान तथा युवा एवं खेल मंत्री सस्मित पोखरेल ने जानकारी दी कि जांच आयोग की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश राजेंद्र कुमार भंडारी करेंगे। इस पांच सदस्यीय आयोग में दो पूर्व न्यायाधीश, नेपाल पुलिस के पूर्व डीआईजी गणेश

केसी और चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रकाश लमसाल को भी शामिल किया गया है। आयोग को वर्ष 2006 के जन आंदोलन (द्वितीय) के बाद से लेकर वित्त वर्ष 2025-26 तक सभी प्रमुख राजनीतिक पदाधिकारियों की संपत्ति घोषणाओं की जांच करने का अधिकार दिया गया है।

इन पूर्व प्रधानमंत्रियों के नाम शामिल

जांच के दायरे में जिन प्रमुख नेताओं के नाम शामिल हैं, उनमें पुष्प कमल दहल प्रचंड, शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली, सुशील कोइराला, बाबूराम भट्टाराई, झाला नाथ खनाल और माधव कुमार नेपाल जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं। इसके अलावा गिरिजा प्रसाद कोइराला के परिवार की संपत्ति की भी जांच संभावित है।

जेन-जी आंदोलन की जांच के लिए भी पैनल

नेपाल सरकार ने पिछले वर्ष हुए 'Gen-Z' प्रदर्शनों की जांच रिपोर्ट के क्रियान्वयन और सुरक्षा तंत्र की भूमिका का अध्ययन करने के लिए भी तीन सदस्यीय पैनल का गठन किया है। इस पैनल की अध्यक्षता पूर्व उच्च न्यायालय न्यायाधीश प्रेम राज कार्की करेंगे, जबकि इसमें सशस्त्र पुलिस और नेपाल पुलिस के पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों को सदस्य बनाया गया है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष 8 और 9 सितंबर को हुए इन प्रदर्शनों में 76 लोगों की मौत हो गई थी, जिसने पूरे देश को हिला दिया था।

लखनऊ के भीषण अग्निकांड में दो सगी बहनें जिंदा जलीं, घटना के घंटों बाद मिला शव

लखनऊ । लखनऊ के विकासनगर इलाके मेंआग इतनी तेज थी कि झोपड़ियों में रखे गैस सिलेंडर भी एक के बाद एक फटने लगे, जिससे जोरदार धमाकों की आवाजें पूरे इलाके में गूंज उठीं लखनऊ के विकासनगर इलाके बुधवार (15 अप्रैल) को आग का भीषण तांडव देखने को मिला। इस इलाके की एक झुग्गी बस्ती अचानक भीषण आग से करीब 250 से 1200 तक झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं। आग के दौरान झोपड़ियों में रखे गैस सिलेंडर से हुए धमाके से स्थिति और भयावह बन गई. करीब 3 घंटे की मशक्त के बाद आग पर काबू पाया जो सका, लेकिन देर रात के बाद भी राहत बचाव कार्य जारी रहा। इस दौरान पुलिस और राहत

बचाव दल ने 2 सगी बहनों के शव बरामद किए। बताया जा रहा है कि विकासनगर सेक्टर-11 के पास रिंग रोड से सटे इलाके में आग की शुरुआत किसी छोटी चिंगारी से हुई थी, लेकिन कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज हवा और झोपड़ियों की सघन बस्ती होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और सेक्टर-11 से लेकर सेक्टर-14 तक करीब 250 से ज्यादा झोपड़ियां इसकी चपेट में आ गईं. आग से पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाकर भागने की कोशिशों में लग गए।

जोरदार धमाकों से सिहर उठा इलाका:-

आग इतनी तेज थी कि झोपड़ियों में रखे गैस सिलेंडर भी एक के बाद एक फटने लगे, जिससे जोरदार धमाकों की आवाजें पूरे इलाके में गूंज उठीं। घटना की जानकारी होते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था। लोगों के आशियाने जलकर खाक हो चुके थे और कई इस आग की चपेट में आ चुके थे।

2 सगी बहनों की मौत:-

इस दर्दनाक हादसे में देर रात तक राहत-बचाव कार्य जारी रहा। इस दौरान पुलिस और राहत दल ने मलबे और जली हुई झोपड़ियों के बीच से दो शव बरामद किए. इनमें से एक 2 महीने की और दूसरी श्रुति (2 वर्ष) थी. बताया जा रहा है कि ये दोनों सगी बहनें थीं और आग की इस भयावह घटना में जिंदा जल गईं। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने दोनों शवों की बरामदगी की पुष्टि की है। सतीश निवासी ग्राम काशीपुरवा, थाना रामसनेही घाट (बाराबंकी) की दो बेटियों के शव मिले। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ लोग अब लापता हैं और कई लोग गंभीर रूप से झुलसे हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

"यूपी में 600 सीटें हुईं तो हार जाएगी BJP", लोकसभा में अखिलेश यादव का बड़ा दावा

नई दिल्ली । लोकसभा में परिसीमन विधेयक 2026 पर चर्चा के दौरान अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए बड़ा दावा किया। सपा प्रमुख ने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश विधानसभा की सीटों की संख्या बढ़ाकर 600 की जाती है, तो बीजेपी चुनाव हार जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा सीटों की संख्या 500 से अधिक होने की चर्चा है और लोकसभा सीटें भी बढ़कर 120 तक जा सकती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या महिला आरक्षण के बहाने कोई "षड्यंत्र" तो नहीं रचा जा रहा है। उन्होंने कहा, "कहीं ऐसा तो नहीं कि महिला आरक्षण के नाम पर कुछ छिपाया जा रहा हो?"

जनगणना और आरक्षण पर उठाए सवाल

सपा प्रमुख ने जोर देते हुए कहा कि किसी भी परिसीमन से पहले जनगणना कराना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना जनगणना के परिसीमन करना पिछड़े वर्ग के अधिकारों के साथ अन्याय होगा। उन्होंने कहा, "अगर जनगणना नहीं कराई जाती है तो यह जनता के साथ धोखा है। बीजेपी चाहती है कि जनगणना न हो और इसी के जरिए पिछड़ों के हक छीने जाएं।" अखिलेश यादव ने पिछड़े वर्ग और मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की भी मांग दोहराई। साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षण में भी स्पष्टता होनी चाहिए, वरना महिलाओं के बीच ही प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

बीजेपी पर साधा राजनीतिक निशाना

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि अगर कोई षड्यंत्र किया गया तो पार्टी को चुनाव में नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने अयोध्या चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तरह वहां बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा, वैसे ही पूरे उत्तर प्रदेश में भी परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर तंज कसते हुए कहा, "सास-बहू वाली भी हार गईं।"

रॉयल पत्रिका
संपादकीय....

बिहार के नए मुख्यमंत्री के सामने बड़ी चुनौतियां

बिहार की सियासत में एक नया मोड़ आया है, जहां पहली बार भारतीय जनता पार्टी को अपना मुख्यमंत्री मिला है। यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राज्य की राजनीतिक और सामाजिक दिशा में संभावित बदलाव का संकेत भी है। पिछले करीब दो दशकों से भाजपा ने अपने सहयोगी दल जदयू और उसके नेता नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद पर बनाए रखा, जो किसी उदारता से ज्यादा एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा था। बिहार में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती हमेशा से जातिवाद की गहरी जड़ें रही हैं। जहां अन्य राज्यों में व्यापक हिंदुत्व की राजनीति ने जातिगत समीकरणों को काफी हद तक प्रभावित किया, वहीं बिहार में यह फार्मूला उतना असरदार साबित नहीं हुआ। इसकी एक बड़ी वजह राज्य की कृषि व्यवस्था और भू-स्वामित्व का असंतुलित ढांचा है। सीमित भूमि और उसके असमान बंटवारे ने सामाजिक विषमता को और गहरा किया है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार बिहार में अधिकांश किसान सीमांत हैं, जिनके पास बेहद कम जमीन है। बड़ी आबादी खेतिहर मजदूरी पर निर्भर है, जबकि थोड़े से लोगों के पास बड़ी मात्रा में भूमि केंद्रित है। यह असमानता न केवल आर्थिक विकास में बाधा बनती है, बल्कि सामाजिक असंतुलन को भी बनाए रखती है। भूमि सुधार और राजस्व रिकॉर्ड में सुधार की दिशा में गंभीर प्रयासों की कमी भी एक बड़ी समस्या रही है। इसके साथ ही, बिहार में औद्योगिक विकास की रफ्तार बेहद धीमी रही है। रोजगार के अवसर सीमित होने के कारण बड़े पैमाने पर पलायन होता है। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में निवेश भी अपेक्षाकृत कम रहा है। शहरीकरण का स्तर भी बेहद निम्न है, जो विकास की गति को प्रभावित करता है। नए मुख्यमंत्री के सामने सबसे बड़ी चुनौती इन पुरानी समस्याओं का स्थायी समाधान निकालना है। उन्हें न केवल आर्थिक सुधारों पर ध्यान देना होगा, बल्कि सामाजिक समरसता को भी मजबूत करना होगा। भूमि सुधार, शिक्षा में निवेश, उद्योगों को बढ़ावा और रोजगार सृजन जैसे मुद्दों पर ठोस और प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह समय केवल राजनीतिक प्रयोगों का नहीं, बल्कि ठोस नीति और निर्णायक नेतृत्व का है। अगर नई सरकार इन चुनौतियों का सामना मजबूती से करती है, तो बिहार विकास की नई राह पर आगे बढ़ सकता है। अन्यथा, यह बदलाव भी केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रह जाएगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम

सही समय : महिला आरक्षण से बदलेगी भारतीय लोकतंत्र की तस्वीर

शोभा करंदलाजे

एक राज्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ लेते समय, मैंने उस खचाखच भरे कमरे में चारों ओर नजरें घुमायीं और गिनती की। वहां मौजूद महिलाओं की संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती थी। इस दृश्य ने केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में ही नहीं, बल्कि इस बात के स्पष्ट संकेत के रूप में भी एक छाप छोड़ी कि सार्वजनिक जीवन में महिलाओं को अभी भी काफी लंबा सफर तय करना बाकी है। मैं कर्नाटक के तटीय इलाके के पुत्तूर के पास स्थित एक छोटे से गांव से आती हूं। पारंपरिक रूप से यह एक समृद्ध इलाका है और यहां की महिलाओं ने हमेशा अपनी दृढ़ता एवं शक्ति का परिचय दिया है। मुझे पता है कि उस शक्ति को सार्वजनिक जीवन में लगाने का क्या मतलब होता है। खासकर, उस स्थिति में जब एक ऐसी राह पर चलना हो जिस पर पहले चंद लोग ही चले हों और हर महिला को वैसे ही जोश के साथ वैसा ही मौका नहीं मिला हो। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पहले ही पारित हो चुका है। संसद में सितंबर 2023 में इस पर चर्चा हुई थी और संविधान में संशोधन किया गया था। लेकिन अब उस वादे को निभाने का सबसे मुश्किल काम सामने है। अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाला लोकतंत्र भारत में कुल 670 मिलियन महिलाएं हैं।

लेकिन पिछले कई वर्षों में महज 15 प्रतिशत महिलाएं ही संसद में पहुंच पायीं हैं। जो लोकतंत्र अपने आधे नागरिकों को निर्णय लेने की प्रक्रिया से लगातार बाहर रखे, उसे सच्चा लोकतंत्र तो नहीं कहा जा सकता। ऐसे लोकतंत्र को विकास की प्रक्रिया में ही माना जाएगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन कागज पर लिखे किसी कानून का तभी कोई महत्व होता है, जब उसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। जनगणना कराना बेहद जरूरी है। इसके बाद परिसीमन होना चाहिए और संसद तथा प्रत्येक राज्य की विधानसभा में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए। जब कानून बनाने वाली प्रक्रियाओं में महिलाओं को शामिल किया जाता है, तो कानून बनाने का केन्द्रबिंदु ही बदल जाता है। पंचायती राज संस्थाओं में, जहां दशकों पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया था, प्राथमिकताओं में स्पष्ट बदलाव देखने को मिलता है। पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और बच्चों के पोषण के लिए अधिक बजट आवंटित किए गए। भ्रष्टाचार के प्रति कम सहनशीलता और समुदायों के प्रति अधिक जवाबदेही देखी गई। यह महज एक संयोग नहीं है। यह प्रतिनिधित्व का जीता-जागता उदाहरण है। दुष्चक्र को तोड़ना मैंने अक्सर यह तर्क सुना है कि महिलाओं को अपनी योग्यता के बल पर आगे बढ़ना चाहिए। मैं इस भावना का सम्मान करती हूं। लेकिन इस आधार को खारिज करती हूं। योग्यता शून्य में नहीं पनपती। यह वहीं पनपती है, जहां अवसर मौजूद होते हैं। पीढ़ियों से, संरचनात्मक बाधाओं सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक ने प्रतिभाशाली महिलाओं को राजनीति से बाहर रखा है। उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में हमेशा उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दी गई है जिनके पास सुस्थापित नेटवर्क एवं संपर्क तथा विरासत में मिली राजनीतिक साख रही है और जो घरेलू जिम्मेदारियों से मुक्त हैं। दूसरी ओर, महिलाओं को इनमें से कोई भी सुविधा हासिल नहीं है। आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि यह अड़चन को दूर करता है जब बड़ी संख्या में महिलाएं पंचायतों में दाखिल हुईं, तो शुरू में उन्हें नजरअंदाज किया गया। आखिरकार, विभिन्न अध्ययनों में यह पाया गया कि उनके अपने समुदायों ने उन्हें उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में अधिक प्रभावी, अधिक सुलभ और अधिक ईमानदार माना। जब महिलाओं को उचित अवसर दिया जाता है, तो वे केवल भाग ही नहीं लेती बल्कि नेतृत्व भी करती हैं। नीतिगत दृष्टि से इसके मायने सरकार में रहते हुए अपने व्यापक अनुभवों से मैंने यह जाना है कि निर्णय लेने वाले स्थानों पर आपकी मौजूदगी ही इस बात को निर्धारित करती है कि किस विषय पर चर्चा होगी। महिला जनप्रतिनिधि मातृ स्वास्थ्य निधि में कटौती की आशंका होने पर इसके लिए आवाज उठाती हैं। वे उन नीतियों के लैंगिक प्रभाव को उजागर करती हैं, जिनका व्यवहार में सबसे बुरा असर महिलाओं पर पड़ सकता है। वे अपने निर्वाचन क्षेत्र की उन चिंताओं को सामने लाती हैं, जिनसे उनके पुरुष सहकर्मियों का सामना नहीं होता। संसद और

> आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि यह अड़चन को दूर करता है जब बड़ी संख्या में महिलाएं पंचायतों में दाखिल हुईं, तो शुरू में उन्हें नजरअंदाज किया गया। आखिरकार, विभिन्न अध्ययनों में यह पाया गया कि उनके अपने समुदायों ने उन्हें उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में अधिक प्रभावी, अधिक सुलभ और अधिक ईमानदार माना। जब महिलाओं को उचित अवसर दिया जाता है, तो वे केवल भाग ही नहीं लेती बल्कि नेतृत्व भी करती हैं। नीतिगत दृष्टि से इसके मायने सरकार में रहते हुए अपने व्यापक अनुभवों से मैंने यह जाना है कि निर्णय लेने वाले स्थानों पर आपकी मौजूदगी ही इस बात को निर्धारित करती है कि किस विषय पर चर्चा होगी। महिला जनप्रतिनिधि मातृ स्वास्थ्य निधि में कटौती की आशंका होने पर इसके लिए आवाज उठाती हैं। वे उन नीतियों के लैंगिक प्रभाव को उजागर करती हैं, जिनका व्यवहार में सबसे बुरा असर महिलाओं पर पड़ सकता है। वे अपने निर्वाचन क्षेत्र की उन चिंताओं को सामने लाती हैं, जिनसे उनके पुरुष सहकर्मियों का सामना नहीं होता। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का मतलब यह है कि पहली बार ये आवाजें अपवाद नहीं रहेंगी। ये आवाजें ढांचागत व्यवस्था का हिस्सा होंगी...

राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का मतलब यह है कि पहली बार ये आवाजें अपवाद नहीं रहेंगी। ये आवाजें ढांचागत व्यवस्था का हिस्सा होंगी। स्थायी होंगी। इन्हें नजरअंदाज करना असंभव होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह मानना रहा है कि भारत अपनी महिलाओं की पूर्ण और बराबरी की भागीदारी के बिना अपनी पूरी क्षमताओं का सदुपयोग नहीं कर सकता। यह महज एक बयानबाजी भर नहीं, बल्कि एक ऐसा दृढ़ विश्वास है जिसने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' से लेकर 'जन धन', 'उज्ज्वला' और 'प्रधानमंत्री आवास योजना' में महिलाओं की रिकॉर्ड भागीदारी वाली नीतियों को दिशा दी है। उन्होंने नारी शक्ति को केवल एक नारा नहीं, बल्कि विकसित भारत का आधार बताया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी सोच की पूर्ण अभिव्यक्ति है। यह सोच महिला सशक्तिकरण को कल्याणकारी योजनाओं से आगे बढ़ाकर शासन की संरचना में समाहित करती है। सभी दलों के अपने साथियों से यह क्षण हम सभी का है। यह मौका किसी एक दल का नहीं, बल्कि एक संस्था के रूप में संसद का है। सरकार के हर स्तर पर इस राष्ट्र की सेवा करने वाली एक महिला के रूप में, मैं सभी से अपील करती हूं और मेरा मानना है कि हम सभी भारत के लोकतंत्र को मजबूत और अधिक पूर्ण देखना चाहते हैं। भारत की महिलाओं के प्रति हमारा अब यह कर्तव्य है कि हम जनगणना कराने, परिसीमन के कार्य को पूरा करने और यह सुनिश्चित करने में तत्परता बरतें कि इस प्रक्रिया में एक भी दिन अनावश्यक रूप से बर्बाद न हो। मैं कार्यान्वयन, आरक्षित सीटों के चक्रण (रोटेशन), परोक्ष (प्रॉक्सी) उम्मीदवारों और सनसेट क्लॉज से जुड़ी चिंताओं से अवगत हूं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम

हर्षिता पांडेय

छत्तीसगढ़ बना एक बेहतर मॉडल

भारत का लोकतंत्र अक्सर अपनी विशालता और विविधता पर गर्व करता है, लेकिन इस चमकदार तस्वीर के भीतर एक गहरी असमानता लंबे समय से मौजूद रही है। यह असमानता है महिलाओं की राजनीति में अपर्याप्त भागीदारी की। देश की आधी आबादी होने के बावजूद सत्ता के केंद्र में उनकी उपस्थिति हमेशा सीमित रही। ऐसे में, नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक विधायी बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की संरचना में सुधार का ऐतिहासिक प्रयास है। यह अधिनियम उस गहरी खाई को पाटने की कोशिश है, जो प्रतिनिधित्व और वास्तविक सामाजिक संरचना के बीच वर्षों से बनी हुई थी। छत्तीसगढ़ इस बदलाव का अग्रदूत बन सकता है। यहां पहले से मौजूद जमीनी नेतृत्व एक मजबूत आधार है। यदि महिलाओं को गंभीरता से ग्रामीण नेतृत्व को राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक लाया जाए तो प्रशिक्षण, क्षमता संवर्धन और संसाधनों के प्रभावी उपयोग से यह राज्य महिला नेतृत्व का राष्ट्रीय मॉडल बन सकता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं है, बल्कि लोकतंत्र को संतुलित बनाने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। यह उस सोच को बदलने का प्रयास है, जिसमें महिलाओं को केवल मतदाता या लाभार्थी के रूप में देखा जाता था। अब वे नीति निर्धारक बनेंगी, सत्ता की भागीदार बनेंगी और भारत के विकास की दिशा तय करेंगी। लेकिन इस परिवर्तन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या समाज अपनी सोच बदलता है, अवचेतन पूर्वाग्रहों, पुरानी धारणाओं और मौन पक्षपातों का त्याग कर पाएगा, उन असंख्य अनसुनी आवाजों को मजबूत स्वर क्या सिस्टम दे पायेगा, राजनीतिक दलों को भी निः शर्त अपनी रणनीति बदलनी ही होंगी। सबसे बड़ा विषय महिलाओं को स्वयं इस स्वर्णिम अवसर को सशक्त नेतृत्व में बदलना हैं। जब ये तीनों पहलू एक साथ आगे बढ़ेंगे, तभी भारत का लोकतंत्र वास्तव में समावेशी और संतुलित दिखाई देगा। छत्तीसगढ़ ने यह साबित कर दिया है कि यदि अवसर और विश्वास दिया जाए, तो महिलाएं न केवल भागीदारी निभा सकती हैं, बल्कि नेतृत्व की नई परिभाषा भी गढ़ सकती हैं। हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं, लेकिन यह बदलाव एक नई दिशा की ओर संकेत करता है। जब यह जमीनी सशक्तिकरण राज्य और राष्ट्रीय स्तर की राजनीति से जुड़ जाएगा, तब भारत का लोकतंत्र वास्तव में संतुलित और समावेशी बन सकेगा। नारी शक्ति की यह यात्रा अब केवल शुरुआत नहीं, बल्कि एक स्थायी परिवर्तन की ओर बढ़ता कदम है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम: एक ऐतिहासिक मोड़ : साल 2023 में पारित 106वां संविधान संशोधन, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में जाना जाता है, भारतीय राजनीति में एक नई दिशा तय करता है। इसके तहत लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। यह यात्रा बताती है कि महिलाओं के अधिकारों का सवाल केवल नीतिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी विषय रहा है।

छत्तीसगढः जमीनी बदलाव से उभरता नेतृत्व : राष्ट्रीय परिदृश्य के बीच छत्तीसगढ़ एक अलग कहानी प्रस्तुत करता है। यहां महिला नेतृत्व की जड़ें गांवों और स्थानीय निकायों में मजबूत हुई हैं। पंचायत और नगरीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण ने हजारों महिलाओं को नेतृत्व का अवसर दिया। यह केवल औपचारिक भागीदारी नहीं रही, बल्कि निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका का मार्ग बना। बिलासपुर, सरगुजा और कोरबा जैसे क्षेत्रों में महिलाएं अब योजनाओं के क्रियान्वयन से लेकर सामाजिक मुद्दों तक में निर्णायक हस्तक्षेप कर रही हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में इनके नेतृत्व ने ठोस बदलाव दिखाए हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में 90 में से 19 महिलाएं विधायक चुनी गईं। यह लगभग 21 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है, जो राष्ट्रीय औसत से बेहतर है।

छत्तीसगढ की बढतः आधी आबादी का बढता हस्ताक्षर : देश में महिला प्रतिनिधित्व की चर्चा जब भी होती है, छत्तीसगढ़ का नाम अब अग्रणी राज्यों में लिया जाता है। पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों में यहां महिलाओं की भागीदारी ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पिछले चुनावों में राज्य में 54.78 प्रतिशत महिलाएं निर्वाचित हुई। यह केवल बहुमत नहीं, बल्कि यह संकेत है कि अब महिलाएं लोकतंत्र के हाशिए की नहीं, बल्कि केंद्र की भूमिका में आ रही हैं। पंचायत चुनावों में निर्वाचित 1.70 लाख से अधिक जनप्रतिनिधियों में 93 हजार से ज्यादा महिलाएं चुनी गई। यह संख्या अपने आप में बताती है कि महिलाओं ने केवल भागीदारी नहीं, बल्कि निर्णायक उपस्थिति दर्ज कराई है। पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में यह आंकड़ा 50 प्रतिशत के आसपास है, जो यह दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ ने इस क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ाया है।

स्थानीय लोकतंत्र का नया चेहरा : छत्तीसगढ़ के गांवों और शहरों में अब एक नई तस्वीर उभर रही है। महिलाएं केवल औपचारिक पदों पर नहीं हैं, बल्कि वे विकास योजनाओं की निगरानी कर रही हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दे रही हैं। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठा रही हैं। जनप्रतिनिधियों का मानना है कि सरकार की योजनाओं ने महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया है। यही कारण है कि महिलाएं अब चुनाव जीतकर शासन व्यवस्था में सक्रिय योगदान दे रही हैं। महिलाओं के भाग्य और भविष्य को नई दिशा मिलेगी। निर्णय प्रक्रिया में एक तिहाई की भागीदारी के एकाधिक अर्थ है। महिलाएं अब देश और प्रदेश के पात्र हितधारक से प्रभावशाली हिस्सेदार बनने जा रही हैं। पात्र लाभार्थी से निर्णयकर्ता का यह मात्र शब्दों का बदलाव नहीं बल्कि यह नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत में एक प्रभावी "गेम चेंजर" रहेगा और "चेंज इन सोशल पोजीशनिंग ऑफ़ वीमेन" की नींव का पत्थर साबित होगा। यह परिवार, समाज एवं व्यवस्थाओ में महिलाओं के भाग्य और भविष्य को नई दिशा एवं ऊंचाईया देगा।

(पूर्व अध्यक्ष, राज्य महिला आयोग, छत्तीसगढ़)

जीवन का विकास ऊर्ध्वगामी स्वरूप में होता है

संकलित

दर्शन

जिस प्रकार संपूर्ण जीवन का विकास ऊर्ध्वगामी स्वरूप में होता है, उसी प्रकार मनुष्यों का विकास भी प्रारंभिक मानवीय प्रतिभाओं से आरंभ होकर विकास की उच्चतर अवस्थाओं तक होता है। उनकी क्षमता एक जन्म के बाद दूसरे जन्म में निरंतर और अधिकाधिक विकसित होती रहती है। संपूर्ण मानव जाति विकास एवं प्रतिविकास के चक्रों से गुजरती रहती है, जिन्हें शास्त्रों में युगों के नाम से संबोधित किया जाता है। उनका आरोहण और अवरोहण होता रहता है। इस समय हम एक ऐसे युग में हैं, जो आरोहण की अवस्था में है। दूसरे शब्दों में, वर्तमान काल में जन्म लेने वाले आत्माएं अपने दादा-दादी और परदादा-परदादी की अपेक्षा विकास की उच्चतर अवस्था में हैं। आज के बच्चों को देखें, उनके अंदर स्वाभाविक रूप से यह भावना है-, 'नहीं, केवल किसी की त्वचा के रंग के कारण मेरे हृदय में उनके प्रति घृणा उत्पन्न नहीं होगी,' और इन बच्चों के हृदयों में एक अन्य प्रकार की मानवीय अज्ञानता के प्रति एक स्वाभाविक अस्वीकृति है, जिसमें संपूर्ण विश्व के सभी देशों में पुरानी पीढ़ियां दृढ़तापूर्वक विश्वास करती थीं। यह लगभग ऐसा है कि जैसे वे पहले से ही थोड़ी-बहुत तैयारी करके आते हैं। मेरे विचार से, जब आपकी आयु मेरी वर्तमान आयु के बराबर होगी, तो संभवतः आप और भी बहुत अधिक विकास को देखेंगे। तब आप पीछे मुड़कर देखेंगे और कहेंगे, 'ओह, उन पिछली पीढ़ियों के लोग ऐसे कैसे हो सकते थे?'

कर्ण की युद्ध में धर्म-नीति निष्ठा

संकलित

प्रेरणा

कर्ण कौरवों की सेना में होते हुए भी महान धर्मनिष्ठ योद्धा थे। भगवान श्रीकृष्ण तक उनकी प्रशंसा करते थे। महाभारत युद्ध में कर्ण ने अर्जुन को मार गिराने की प्रतिज्ञा की थी। उसे सफल बनाने के लिए खंडव वन के महासर्प अश्वसेन ने इसे उपयुक्त अवसर समझा। अर्जुन से वह शत्रुता तो रखता था, पर काटने का अवसर नहीं मिलता था। वह बाण बनकर कर्ण के तरकस में जा घुसा। अश्वसेन वाला बाण भी चला, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने वस्तुस्थिति को समझा और रथ-घोड़े जमीन पर बिठा दिए। बाण मुकुट काटता हुआ ऊपर से निकल गया। असफलता पर अश्वसेन प्रकट हुआ और कर्ण से बोला- अबकी बार अधिक सावधानी से बाण चलाना। इस पर कर्ण को भारी आश्चर्य हुआ। उसने उस कालसर्प से पूछा- आप कौन हैं? सर्प ने कहा- अर्जुन ने एक बार खण्डव वन में आग लगाकर मेरे परिवार को मार दिया था। इसलिए उसीका प्रतिशोध लेने के लिए मैं व्याकुल रहता हूं। उस तक पहुंचने का अवसर न मिलने पर आपके तरकस में बाण के रूप में आया हूं। कर्ण ने उसकी सहायता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए वापस लौट जाने के लिए कहा- भद्र, मुझे अपने ही पुरुषार्थ से नीति युद्ध लड़ने दीजिए। आपकी अनीतियुक्त सहायता लेकर जीतने से तो हारना अच्छा है। कालसर्प कर्ण की नीति-निष्ठा को सराहता हुआ वापस लौट गया। उसने कहा- कर्ण तुम्हारी यह धर्मनिष्ठा ही सत्य है, जिसमे अनीतियुक्त पूर्वाग्रह को छद्म की कहीं स्थान नहीं।

अंतर्मन

आज की पाती

समाज को जोड़ने की ताकत रखती है कला

प्रतिवर्ष 15 अप्रैल विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व कला दिवस हमें यह सिखाता है कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, समझने और बदलने की ताकत भी रखती है। कला ने विकास, क्रांति, स्वतंत्रता और रचनात्मकता के संदेशों को संप्रेषित करने और वैश्विक मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला में वह ताकत है जो हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट और संलग्न कर सकती है। कला केवल एक सुंदर चित्र या पेंटिंग मात्र ही नहीं है, बल्कि यह तो हमारे समाज की धड़कन है, स्थानीय और वैश्विक समुदायों में वे जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसका हृदय है। वास्तव में यह दिन कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देने का है।

- मदन शर्मा, धमतरी

X ट्रेंड

करुणा की भावना

तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण का स्थान नहीं ले सकती। करुणा की भावना को हमेशा बनाए रखें, क्योंकि यही आपको न केवल अच्छा डॉक्टर बनाती है, बल्कि एक अच्छा इंसान भी बनाती है।

- द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

हादसे की जांच जरूरी

छत्तीसगढ़ स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए भयावह हादसे की खबर बेहद दुखद है। इस घटना की गहन जांच होनी चाहिए। हमारे श्रमिक भाइयों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दें।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

संशोधन विधेयक

कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिला आरक्षण का समर्थन करती रही है। हालांकि, एनडीए सरकार द्वारा महिला आरक्षण की आड़ में 131वें संवैधानिक संशोधन विधेयक को जल्दबाजी में पारित करने की तैयारी से स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा होता है।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

महिलाओं की सुरक्षा

भाजपा शासित उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में सामूहिक बलात्कार की शिकार एक दलित लड़की ने न्याय न मिलने पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। भाजपा शासन में महिलाओं की सुरक्षा की यही वास्तविकता है; बाकी सब दिखावा और झूठा प्रचार है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

कैलिफोर्निया विधानसभा ने बैसाखी को दी मान्यता

कैलिफोर्निया विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित कर बैसाखी को सिख-अमेरिकियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक के रूप में मान्यता दी है और राज्य के लोगों को बैसाखी के पर्व पर होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। यह प्रस्ताव विधानसभा सदस्य जसमीत कौर बैंस द्वारा पेश किया गया, जिसे 80 सदस्यीय सदन में से 76 सदस्यों का समर्थन मिला और इसे बैसाखी की पूर्व संध्या पर सोमवार को पारित किया गया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट किया, ' 'कैलिफोर्निया में बैसाखी मना रहे सिख समुदायों को मेरी ओर से नववर्ष और भरपूर फसल के लिए शुभकामनाएं। बैसाखी दीयां लख-लख बधाइयां।' प्रस्ताव में कहा गया है कि विधानसभा 14 अप्रैल 2026 को मनाई जा रही बैसाखी को मान्यता देती है और इसे सिख इतिहास व सिख-अमेरिकियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिवस मानते हुए इस अवसर पर गहरा सम्मान व्यक्त करती है। साथ ही, इसमें दुनिया भर के दक्षिण एशियाई समुदायों और प्रवासी भारतीयों के साथ इस उत्सव को मनाने वालों के प्रति सम्मान जताया गया। अमेरिका के कई नेताओं ने भी सिख समुदाय को बधाई दी।

ऑफ बीट

कैसे स्तनपायी युग समाप्त हुआ होगा

पिछले 50 करोड़ वर्षों में हमारे ग्रह ने कुल पांच बार जीवों की विशाल महाविलुप्ति देखी है। इनमें से पर्मियन-ट्राइऐसिक विलुप्ति घटना में पृथ्वी की तत्कालीन करीब 90 प्रतिशत प्रजातियां विलुप्त हो गई थीं। इनमें से अधिकांश घटनाएं एक 'सुपरकॉन्टिनेंट' के निर्माण के साथ मेल खाती हैं, जहां पृथ्वी की टेक्टॉनिक प्लेटें धीरे-धीरे एक साथ आती हैं और संयोजित होती हैं। वैज्ञानिकों का पूर्वानुमान है कि पृथ्वी के महाद्वीप अगले 25 करोड़ साल में फिर से एक साथ मिलकर 'सुपरकॉन्टिनेंट' बनाएंगे जिसे 'पैंजिया अल्टिमा' नाम दिया गया है। इसका संकेंद्रण विषुवत रेखा के पास होगा और यह गर्म महाद्वीप होगा। अध्ययन के मुताबिक 'पैंजिया अल्टिमा' की परिस्थितियां अधिकतर स्तनधारियों के जीवित रहने के लिए विपरीत होंगी। इस 'सुपरकॉन्टिनेंट' के बनने से अधिक ज्वालामुखी गतिविधि होगी, और बूढ़ा होता सूर्य पृथ्वी पर अधिक विकिरण उत्सर्जित करेगा। इसके परिणामस्वरूप भूमि की सतह का तापमान अत्यधिक हो जाएगा, जिससे महाद्वीप का अधिकांश भाग एक विशाल, गर्म रेगिस्तान में बदल जाएगा, जो विज्ञान-कल्पना महाकाव्य ड्यून के रेगिस्तानी ग्रह 'अराकिस' की याद दिलाता है।

77वें राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री का संदेश—"भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस, सुरक्षित व भयमुक्त राजस्थान हमारी प्राथमिकता"

-पिछले दो वर्षों में अपराधों में 18.77 प्रतिशत की आई कमी - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुलिस पर प्रदेश की कानून व्यवस्था की अहम जिम्मेदारी है। पुलिस द्वारा अपराधों पर अंकुश लगाकर प्रदेश में आमजन को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस के जवान अथक परिश्रम, अनुशासन और जनसेवा के जज्बे के साथ हर परिस्थिति में ढाल बनकर प्रदेशवासियों की सुरक्षा के लिए तत्परता से कार्य कर रहे हैं। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है तथा हम अपराध मुक्त राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। शर्मा गुरुवार को राजस्थान पुलिस के 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस ने 77 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा में साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान की अनुपम मिसालें पेश की हैं। शर्मा ने अमर शहीद पुलिसकर्मियों को नमन करते हुए कहा कि शहीदों ने आमजन की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया।

कम्युनिटी पुलिसिंग से साइबर अपराधों पर लगेगा अंकुश-

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। प्रदेश में सुदृढ़ पुलिसिंग से समाज में विश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। अच्छी कानून व्यवस्था से राजस्थान की पहचान अब एक शांतिप्रिय राज्य के रूप में बनी है। इससे बड़ी संख्या में निवेशक और पर्यटक प्रदेश में आने के उत्सुक हैं और राज्य अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि कम्युनिटी पुलिसिंग से साइबर अपराध, नशा व संगठित अपराध जैसी चुनौतियों का सामना आसानी से किया जा सकता है। इन समस्याओं से निपटने के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। जागरूक नागरिक ही इन अपराधों के खिलाफ सबसे मजबूत दीवार बन सकते हैं।

नवीन कानूनों के क्रियान्वयन में राजस्थान अग्रणी-

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाए गए नवीन कानूनों के क्रियान्वयन में राजस्थान अग्रणी राज्यों में शामिल है। हमारी सरकार अपराध और भ्रष्टाचार रोकने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। इसी का परिणाम है कि पिछले दो वर्षों में अपराधों में 18.77 प्रतिशत की कमी आई है। हत्या के प्रकरणों में 25.68 प्रतिशत, डकैती में 47.26, लूट में 50.75 तथा महिला अत्याचारों में लगभग 10 प्रतिशत की कमी आई है।

एंटी नारकोटिक्स, एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स कर रही प्रभावी कार्रवाई-

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे को जड़ से समाप्त करने के लिए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन कर एक पुलिस थाना और 17 पुलिस चौकियां स्थापित की गई हैं। नकल माफिया पर कार्रवाई करते हुए एसआईटी का गठन किया गया है। इसके परिणामस्वरूप, प्रदेश में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ और जिससे युवाओं का सरकार में विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि संगठित अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स प्रभावी कार्य कर रहा है। इससे फायर आर्म्स के उपयोग एवं उनसे होने वाली मौतों में गिरावट आई है। वहीं, साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए सभी पुलिस थानों पर साइबर हेल्प डेस्क की स्थापना कर आमजन को जागरूक भी किया जा रहा है।

मजबूत पुलिसिंग के लिए उठाए जा रहे अनेक कदम-

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने पुलिस कार्मिकों के कल्याण और प्रभावी पुलिसिंग के लिए अनेक कदम उठाए हैं। प्रदेश के पुलिस बल को मजबूत करने के लिए 8 हजार से अधिक कांस्टेबलों की नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। साथ ही, प्रभावी पुलिसिंग के लिए 2 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय, 2 पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय तथा 23 नए पुलिस थाने सृजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 8 पुलिस चौकियों का पुलिस थानों में क्रमोन्नयन, 1 हजार पुलिस मोबाइल यूनिट्स की तैनाती, 35 नवीन पुलिस चौकियां खोलना, कॉन्स्टेबल से सहायक उप निरीक्षक तक के कार्मिकों के स्वीकृत सालाना वर्दी भत्ता में बढ़ोतरी, पुलिस कर्मियों के मैस भत्ते की राशि में वृद्धि जैसे निर्णयों से पुलिस बल को मजबूत किया गया है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि राजस्थान पुलिस सजग प्रहरी के रूप में कार्य कर प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ कर रही है तथा पुलिस द्वारा निरंतर प्रभावी कार्रवाई कर अपराध पर अंकुश लगाया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में पुलिस बल को आधुनिकीकरण के लिए पर्याप्त संसाधन मुहैया करवाए गए हैं। राजस्थान पुलिस कर्तव्य पथ पर अग्रसर होते हुए प्रदेश में शांति व्यवस्था को बरकरार रखने एवं संविधान मूल्यों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने परेड ग्राउंड में आयोजित सेरेमोनियल परेड का निरीक्षण किया। इस परेड में राजस्थान पुलिस अकादमी, आरएसी की चौथी व पांचवीं बटालियन, आयुक्तालय जयपुर की निर्भया स्क्वॉड, यातायात कर्मी, हाड़ी रानी महिला बटालियन अजमेर, एसडीआरएफ, जीआरपी, एमबीसी खैरवाड़ा, ईआरटी और घुड़सवार दल सहित कुल 12 प्लाटून सम्मिलित हुए। परेड के दौरान आरपीए के सेंट्रल बैंड ने अपनी मधुर धुनों से वातावरण में जोश भर दिया।

जयपुर में जिला स्तरीय जनसुनवाई, 84 परिवेदनाएं सुनीं—10 मामलों में मौके पर ही राहत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में जिला कलक्टर सन्देश नायक ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए त्वरित समाधान पर जोर दिया। जनसुनवाई के दौरान कुल 84 परिवेदनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से 10 मामलों का निस्तारण मौके पर ही कर फरियादियों को तत्काल राहत प्रदान की गई। जिला कलक्टर ने शेष मामलों के शीघ्र और प्रभावी निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता और जवाबदेही बेहद जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का तय समय सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में अतिक्रमण हटाने, पेंशन शुरू करवाने, सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, पेयजल आपूर्ति सुचारू करने, कृषि भूमि में रास्ता खुलवाने, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क निर्माण, आवासीय पट्टा, नामांतरण और भूमि विवाद जैसे विभिन्न विषयों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व से जुड़े

मामलों का निस्तारण मौके पर जाकर पीड़ितों के समक्ष किया जाए, ताकि उन्हें त्वरित राहत मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार आमजन को सरकारी योजनाओं की जानकारी के अभाव में परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर शिकायत का निस्तारण तथ्यों के आधार पर और पारदर्शिता के साथ किया जाना चाहिए। प्रशासन का उद्देश्य केवल शिकायत सुनना नहीं, बल्कि प्रभावी समाधान देना होना चाहिए। जनसुनवाई कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की भी भागीदारी रही। इस दौरान हवामहल विधायक बालमुकुन्दाचार्य, सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा, किशनपोल विधायक अमीन कागजी, चौमू विधायक शिखा मील बराला और जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा भी उपस्थित रहीं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित की जा रही है, जिससे प्रशासन और जनता के बीच संवाद मजबूत हो रहा है। इस अवसर पर जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर विनीता सिंह, आशीष कुमार, संजय माथुर सहित विभिन्न विभागों—चिकित्सा, पुलिस, विद्त, सार्वजनिक निर्माण, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, कृषि, वन और राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

भू-माफिया, अतिक्रमी, अराजक तत्व और घुसपैठियों पर करें सख्त कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर में सख्त पुलिसिंग की जाए। हमारा उद्देश्य आमजन को भयमुक्त रखना है। भू-माफिया, अतिक्रमणकारी, अराजक तत्व और घुसपैठियों पर सख्त कार्यवाही हो। पुलिस अधिकारी थाने में आने वाले परिवादियों से विनम्रता से मिलें और उन्हें राहत प्रदान करें। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को सर्किट हाउस में अजमेर उत्तर क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि शहर में सख्त पुलिसिंग की जाए। दरगाह के आसपास के क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं की जानकारी आती रहती है। यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी घुसपैठिया ना बचे। कई लोग आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होते हैं। पुलिस प्रो-एक्टिव होकर इन पर कार्यवाही करें। इसी तरह कई स्थानों पर भू-माफिया और अतिक्रमणकारी भी लगातार लोगों और प्रशासन को परेशान करते रहते हैं। इन्हे बख्शा नहीं जाए और जनता को राहत दिलाई जाए। विधानसभा अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि इसी तरह विभिन्न क्षेत्रों में देर रात तक खुली

रहने वाली थड़ियों, कैफे आदि पर असामाजिक तत्व भी जमा रहते हैं। लगातार पैट्रोलिंग कर ऐसे लोगों को डिटेन किया जाए, उन पर सख्ती हो। रेस्टोरेंट, होटल, हुक्काबार आदि पर निरंतर सर्च अभियान चलाया जाए। बदमाशों में भय रहना चाहिए और महिलाएं, बालिकाएं, बच्चे और आमजन निर्भय होकर घूमे। उन्होंने यातायात पुलिस को निर्देश दिए कि जवाहर लाल नेहरू अस्पताल, शहर के सभी व्यस्त बाजारों में व्हाइट लाइन में ही वाहन, ठेले और गन्ने के रस की मशीने हो, मार्ग में किसी तरह का अवरोध ना हो। यातायात पुलिस लगातार पैट्रोलिंग करें एवं अतिक्रमण व यातायात अवरोध पर कार्रवाई करे। चौपाटी, गौरवपथ, रामप्रसाद घाट, बारादरी के बाहर एवं अन्य स्थानों पर यातायात व्यवस्था, पुलिसिंग को और अधिक सशक्त किया जाए। पुलिस भिखारियों की समस्या से भी सख्ती से निपटे।

उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" के अवार्ड से सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने बुधवार को पुलिस आयुक्तालय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" के अवार्ड से सम्मानित किया। सचिन मित्तल ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनता में साकार हो इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत् है। उन्होंने बताया कि कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार से पुलिसकर्मियों के मनोबल में बढोतरी के साथ-साथ पुलिसकर्मी बेहतर व सराहनीय कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। मार्च माह 2026 का "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" पुरस्कार के लिए जिला पूर्व से चिन्हित राहुल कुमार कानि० पुलिस थाना रामनगरिया ने मुकदमा नम्बर 98/2026 में आरोपियों की सीडीआर व घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर प्रकरण में वांछित आरोपी राजू वैष्णव, सुमित कुमार, सुनील रॉय, हरिओम, रोहिताश गुर्जर, विजय

कुमार को गिरफ्तार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। जिला पश्चिम के सुनिल कुमार कानि० कार्यालय पुलिस उपायुक्त पश्चिम ने पुलिस थाना बनीपार्क के तीन प्रकरणों में वर्ष 2019 से फरार चल रहे अन्तर्राज्यीय गैंग के 10-10 हजार रूपये के ईनामी अपराधी बिनय उर्फ विनय अग्रवाल (पोदार) व विकास उर्फ बिकास पोदार को तकनीकी विश्लेषण कर उक्त अपराधियों को सिलीगुडी पश्चिम बंगाल से गिर्फतार करवाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिला उत्तर के कमलेश कुमार कानि० पुलिस थाना जालूपुरा को रात्रि गश्त के दौरान पुलिस नियंत्रण कक्ष आयुक्तालय जयपुर से छोटू नामक व्यक्ति निवासी मुरैना (मध्यप्रदेश) का पर्स जिसमे 50-60 हजार रूपये थे, जो वनस्थली मार्ग पर गुम हो जाने की सूचना प्राप्त होने पर कानिस्टेबल ने वनस्थली मार्ग पर पहुंचकर सम्बन्धित व्यक्ति से पूछताछ कर सघन चैकिंग की जाकर सम्बन्धित बस में यात्रा करने वाले व्यक्तियों से पूछताछ करते हुये संभावित वनस्थली मार्ग पर पर्स तलाश किया गया तो गुमशुदा पर्स खाटूश्याम मन्दिर के पास रोड किनारे पडा मिला, जिसे उक्त दम्पति से राशि की पहचान करवाकर पर्स यात्री दम्पति का होना पाया जाने पर पुलिस थाना जालूपुरा पर लाकर सुपूर्द करने का कार्य ईमानदारी, सराहनीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया है। जिला दक्षिण के अनिल कुमार कानि० पुलिस थाना अशोकनगर ने थाने के काफी समय से लम्बित चल रहे 10 स्थायी वांरटों एवं 5 गिर्फतारी वारंटियो का निस्तारण करवाने का सराहनीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया है। संदीप कुमार कानि० यातायात उत्तर जयपुर ने आमजन को सुगम यातायात प्रदान करने व यातायात को सुगम संचालन में अपनी ड्यूटी कड़ी मेहनत, निष्ठा व लगन से किया है। राकेश कुमार शर्मा कानि० कार्यालय अति० पुलिस उपायुक्त आसूचना एवं सुरक्षा, पुलिस आयुक्तालय जयपुर, ने जुमा-तुल-विदा, ईदुल-फितर पर्व, नवरात्रा स्थापना, शिवमहापुराण कथा, गणगौर माता सवारी एवं रामनवमी शोभायात्रा के दौरान समय पर सुरक्षा व्यवस्था आदेश जारी करवाया तथा आयुक्तालय क्षेत्र में आयोजित आगामी कार्यक्रमों की कानून व्यवस्था की साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार कर समय पर पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर को भिजवाने तथा देर रात्रि तक कार्यालय में रहकर कठिन परिश्रम, मेहनत एवं लगन से कार्य सम्पादित किया है।

जालोर नागरिक सहकारी बैंक के नवनिर्मित प्रधान कार्यालय का लोकार्पण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार को जालोर में जालोर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवनिर्मित प्रधान कार्यालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने सहकारी बैंकिंग संस्थाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक सहयोग और सामूहिक विकास की मजबूत आधारशिला है। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारी बैंक छोटे उद्यमियों, कुटीर उद्योगों, किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करते हैं। इससे ग्रामीण और मध्यम वर्ग को स्वरोजगार के नए अवसर मिलते हैं और समाज में आर्थिक संतुलन स्थापित होता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता का मूल भाव "सबको साथ लेकर चलना" है, जिसे और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। सहकारी संस्थाओं को पारदर्शिता और कर्मठता के साथ काम करते हुए अधिक से अधिक वंचित वर्ग को योजनाओं से जोड़ना चाहिए। राज्यपाल ने अपने संबोधन में सहकारिता क्षेत्र से जुड़े अनुभव भी साझा किए। उन्होंने डेयरी और

कृषि क्षेत्र में सहकारी संस्थाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि राजस्थान में दुग्ध उत्पादन में सहकारी मॉडल ने देश में राज्य की पहचान मजबूत की है। उन्होंने केंद्र सरकार की जन-धन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत देश में 56 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए, जिससे आमजन को डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभ मिल रहा है। यह वित्तीय समावेशन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। राज्यपाल ने कहा कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे कदम देश को मजबूत और सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति और शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सहकारिता को संस्कृति से जोड़कर और मजबूत किया जा सकता है। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना और पारंपरिक मूल्यों को संरक्षित करना समय की आवश्यकता है।

जयपुर में 'सफाई सेवा मैराथन-2026' का आगाज 18 अप्रैल को, सुबह से रात तक चलेगा महाभियान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से 18 अप्रैल 2026 को "सफाई सेवा मैराथन-2026" का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष अभियान की अगुवाई नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा करेंगे। यह अब तक का सबसे बड़ा सफाई अभियान होगा, जो सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक लगातार चलेगा। इस महाभियान में नगर निगम की पूरी टीम शहर के 13 जोन के 150 वार्डों में ऑन-ग्राउंड रहकर सफाई कार्य करेगी। अभियान के तहत शहर के हर कोने में व्यापक स्तर पर सफाई, कचरा निस्तारण और स्वच्छता गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

सभी अधिकारी और कर्मचारी "स्वच्छ जयपुर, सुंदर जयपुर" के लक्ष्य के साथ कार्य करेंगे। बुधवार को आयुक्त ने इस अभियान की कार्ययोजना को लेकर सभी जोन एवं मुख्यालय के उपायुक्तों, अधिशासी अभियंताओं, सहायक अभियंताओं और सीएसआई के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को अभियान की सफलता के लिए प्रेरित किया। सभी सीएसआई ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प भी लिया। इस अभियान की खास बात यह है कि इसे प्रतिस्पर्धात्मक बनाया गया है। उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएसआई और उनकी टीम को प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सीएसआई को 21 हजार रुपये, उनकी टीम के एसआई को 11 हजार रुपये तथा प्रत्येक जमादार को 1100 रुपये दिए जाएंगे। द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए भी आकर्षक पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। यह प्रोत्साहन राशि सीएसआर के तहत राजस्थान सोलर एसोसिएशन द्वारा प्रदान की जाएगी। साथ ही, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सीएसआई को "स्वच्छता हीरो" और "स्टार ऑफ नगर निगम" के रूप में सम्मानित किया जाएगा तथा एक माह तक उनकी फोटो निगम में होर्डिंग के रूप में लगाई जाएगी, ताकि अन्य कर्मचारी भी प्रेरणा ले सकें। आयुक्त ओम कसेरा ने कहा कि यह अभियान केवल प्रशासनिक पहल नहीं, बल्कि एक जनआंदोलन बनेगा, जिसमें आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल जयपुर की सफाई व्यवस्था को नई दिशा देगी और शहर को स्वच्छ बनाने के लक्ष्य को मजबूत करेगी। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		पानी के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

एनवायरमेंटल एण्ड सोशल फ्रेमवर्क पर एडीबी की ओरिएंटेशन कार्यशाला संपन्न

जयपुर । एनवायरमेंटल एण्ड सोशल फ्रेमवर्क (ईएसएफ) पर एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला गुरूवार को जयपुर में संपन्न हुई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बैंक और विकास से जुड़ी अन्य एजेंसियों, विभागों, स्टेकहोल्डर्स के बीच सामाजिक एवं पर्यावर्णीय सुरक्षा उपायों और खरीद प्रक्रियाओं की समझ को सुदृढ़ करना रहा। कार्यशाला के प्रमुख उद्देश्यों, मुख्य आवश्यकताओं और व्यवहारिक क्रियान्वयन से जुड़ी चुनौतियों पर की नोट स्पीच और प्रजेंटेशन हुए। प्रतिभागियों ने केस स्टडी के माध्यम से अपने अनुभव साझा किए। तकनीकी सत्रों का संचालन एडीबी के ऑफिस ऑफ सेफगार्ड्स के विशेषज्ञों द्वारा किया गया, जिनमें कार्लीतो रुफो जूनियर और सुश्री शाश्वती शामिल थीं। उन्होंने दस्तावेज़ीकरण, अनुक्रमण और ईएसएफ के तहत अनुपालन से जुड़े प्रश्नों पर खुली चर्चा भी कराई।

मेरिट पॉइंट क्राइटेरिया (एमपीसी) पर एक विशेष सत्र एडीबी के प्रोक्योरमेंट, पोर्टफोलियो और फाइनेंशियल

मैनेजमेंट विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व स्टेफान बेस्सादी और सुश्री अनीता ने किया। इस सत्र में भारत में गुणवत्ता आधारित बोली मूल्यांकन के विकसित होते दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया और खरीद प्रक्रियाओं में जोखिम मूल्यांकन तथा मूल्यांकन मानदंडों के समावेशन पर व्यवहारिक मार्गदर्शन दिया गया। अनुबंध प्रवर्तन और प्रभावी डीब्रिफिंग के महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने परियोजना की प्लानिंग और क्रियान्वयन में पर्यावरणीय और सामाजिक पहलुओं को शामिल करने संबंधी स्पष्टता और व्यवहारिक जानकारी प्राप्त की । कार्यशाला का समापन प्रतिभागियों के फीडबैक के साथ हुआ। कार्यशाला में एडीबी के भावेश कुमार (सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर, अर्बन), मोहम्मद जावेद (सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर, ट्रांसपोर्ट), सुश्री अक्षिता शर्मा (क्लाइमेट चेंज ऑफिसर, क्लाइमेट अडैप्टेशन), सुश्री पूजा अवस्थी (सीनियर ऑपरेशंस असिस्टेंट), सुरेश गुप्ता (अर्बन डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट) और गोविंद सिंह राठौड़ (एनवायरनमेंटल सेफगार्ड कंसल्टेंट) शामिल थे। इसके साथ ही स्थानीय निकाय, वन और पीएचईडी विभाग, जेएमआरसी व डीएमआरसी के अधिकारियों ने भी भागीदारी की। यह कार्यशाला राजस्थान में संस्थागत क्षमता को मजबूत करने और सतत एवं जवाबदेह आधारभूत विकास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई।

जयपुर में अवैध हुक्का बारों पर बड़ी कार्रवाई, 3 गिरफ्तार—14 हुक्के और भारी मात्रा में तंबाकू फ्लेवर जब्त

जयपुर। पुलिस आयुक्तालय जयपुर ने अवैध रूप से संचालित हुक्का बार और कैफे लाउंज के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। इस संयुक्त कार्रवाई में 3 प्रकरण दर्ज किए गए, 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा 17 लोगों के कोटपा एक्ट के तहत चालान किए गए। मौके से 14 हुक्के, बड़ी मात्रा में तंबाकू फ्लेवर और हुक्का सामग्री जब्त की गई। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल के मार्गदर्शन और विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन्स) ओम प्रकाश के निर्देशन में, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन के सुपरविजन में थाना मानसरोवर और श्याम नगर पुलिस टीम द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

मानसरोवर में दो जगह कार्रवाई:-

पहली कार्रवाई मानसरोवर थाना क्षेत्र में CONCEPT RNA कोचिंग संस्थान के ऊपर स्थित Hot House Treat Café Lounge में की गई। यहां अवैध रूप से हुक्का बार संचालित

किया जा रहा था। पुलिस ने छापा मारकर 10 हुक्के, 10 रबर पाइप, 5 चिलम और तंबाकू फ्लेवर जब्त किए। मौके से कैफे संचालक प्रकाश वासवानी को गिरफ्तार किया गया और 9 लोगों के चालान किए गए। दूसरी कार्रवाई न्यू आतिश मार्केट स्थित इक्का क्लब पर की गई, जहां हुक्का परोसने की सूचना पर पुलिस पहुंची। यहां से हुक्का सामग्री और तंबाकू फ्लेवर जब्त कर मैनेजर हनुमान को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान एक व्यक्ति का चालान भी किया गया।

श्याम नगर में भी दबिश:-

तीसरी कार्रवाई श्याम नगर थाना क्षेत्र के एलटेरो कैफे 2.0 में की गई। यहां से 4 हुक्के, 4 रबर पाइप, 4 चिलम और तंबाकू फ्लेवर जब्त किए गए। पुलिस ने मैनेजर यश कुमार को गिरफ्तार कर 7 लोगों के चालान किए।

कानूनी कार्रवाई जारी:-

तीनों मामलों में राजस्थान धूम्रपान प्रतिषेध अधिनियम 2000 और कोटपा एक्ट 2019 के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध हुक्का बारों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सर्वोदय के विद्यार्थियों ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10वीं की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया

एहतिशाम अजीज 96.20 | आयुष सिन्हा 94.40 | कुशाग्र 92.60 | मोहम्मद जीशान 92.40 | सीवीस वर्मा 91.80

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) की कक्षा 10वीं की परीक्षा के बुधवार को घोषित परिणाम में सर्वोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कोटा के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। कक्षा 10वीं की परीक्षा में ऐहतेशाम ने 96.2%, आयुष सिन्हा ने 94.4%, कुशाग्र ने 92.6%, मोहम्मद जिशान ने 92.4% तथा सिविस वर्मा ने 91.8% अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। सर्वोदय एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन ए. जी. मिर्जा, निदेशक डॉ. अजहर मिर्जा तथा डॉ. मजहर मिर्जा ने इस शानदार सफलता का श्रेय विद्यार्थियों के अध्ययन के प्रति समर्पण, विद्यालय द्वारा प्रदान की गई उत्कृष्ट शैक्षणिक सुविधाओं तथा शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने इस आशातीत उपलब्धि पर सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

जश्ने यौमे दरूदे पाक व उर्से ताजुश्शरिया का पोस्टर विमोचन, 18 अप्रैल को बड़ा आयोजन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलामाने गौस वेलफेयर सोसाइटी, जोधपुर व गुलामाने हुजूर मोईने मिल्लत, जोधपुर के जेरे एहतमाम होने वाले जश्ने यौमे दरूदे पाक व उर्से-पाक ताजुश्शरिया के पोस्टर का विमोचन दरगाह ख्वाजा अब्दुल लतीफ चिश्ती के प्रांगण में बुधवार रात 10 बजे दरगाह के सज्जादानशिन पीर नज्मुल हसन चिश्ती की सदारत में किया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के प्रमुख हाफिज जावेद ने बताया कि शनिवार 18 अप्रैल को रात 9:30 बजे बड़ी ईदगाह, जालोरी गेट में जश्ने यौमे दरूदे पाक व उर्से-पाक ताजुश्शरिया मनाया जाएगा जिसमें जोधपुर में पहली बार बगदाद से मुफ्ती अश्शाह सय्यद उमर सलीम हुसैनी रिफाई तशरीफ ला रहे हैं, इनके अलावा मुल्क के दिगर उल्माए अहले सुन्नत व सादाते किराम भी शरीक होंगे। प्रोग्राम के बाद लंगर तकसीम किया जाएगा। पोस्टर विमोचन के समय सोसाइटी के सदस्य व गणमान्य लोगों में हाफिज मुहम्मद हुसैन, रिजवान भाई, बब्बन भाई, इन्साफ भाई, मास्टर हसनैन अशरफी, इमदाद भाई, आदिल भाई व अन्य मौजूद रहे।

पीर ग़ुलाम नसीर नज़मी सुलैमानी फ़ख़री निज़ामी चिश्ती अल्फ़ारुक़ी का चूरू पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाई जी चौक स्थित राणा जी के नोहरे में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कोम चेजारा की तरफ से महम्मुद अली राणा के नेतृत्व में दरगाह शरीफ हज़रत ख़्वाजा हाजी मुहम्मद नजमुद्दीन सुलैमानी फ़तेहपुर शेखावाटी के मुख्य गद्दिनशीन का चूरू पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया जीसमें 51 किलो की फूल माला एवं फुल बरसाकर कोम चेजारान की तरफ से साफा बांधकर दस्तारबंदी की गई। एवं हजरत ख्वाजा नज़्म सरकार की शान में कव्वालियों का आयोजन किया गया जिसमें चूरू की मशहूर कव्वाल मिश्री एंड पार्टी ने आपकी शान में कव्वालियों की शमा बांधा राणा जी के नोहरे को खूबसूरत लाइटिंग व आतिशबाजी से सजाया गया था। पीर गुलाम नासिर ने अपने साहबजादे पीर गुलाम नजम को अपना सज्जादा नशीन मुतवली दरगाह हज़रत पीर हाजी नजमुद्दीन सुलेमानी फतेहपुरी को मुकर्रर किया इस खुशी में यह समारोह आयोजित किया गया था। आपका चूरू की सर जमीन पर जोरो-ओ-सोर से इस्तकबाल किया गया कोम चेजारान की तरफ से सदर फारूक, खजांची मोहम्मद यूसुफ, सचिव फारूक चौहान, महम्मुद राणा, इलियास राणा, अली शेर सिसोदिया आदि ने सिरजा शरीफ पेश किया। और कोम की तरफ से दावते आम लंगर रखा गया। जो देर रात तक चला। जिसमें मांगीलाल, फारूक, कासम, अकबर, आमीन, जाकिर, अब्दुल लतीफ, खुर्शीद, जाफर लीलगर, सलीम लीलगर, निजाम लीलगर, असलम सिक्का, रमजान, अयूब खान, महबूब खान, जाकिर झारिया वाला, मोहम्मद रफीक चौहान, यूनुस चेजारा, साहिल आदि उपस्थित रहे व सहयोग किया। समारोह के अंतिम चरण में पीर गुलाम नसिर ने समाज में बेहतरीन खिदमात के लिए शहर के चार शख्सियत को मोमेंटो देकर नवाजा गया। जिसमें कौम चेजारान के सदर युसूफ चेजारा एवं पत्रकार मोहम्मद अली पठान, इमाम मौलाना मुततिउर रहमान, शायर इदरीस खत्री चूरवी, की दरगाह की तरफ से दस्तारबंदी की गई और सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन शायर इदरीश राज़ चुरवी ने किया पीर साहब ने देश दुनिया में भाईचारा अमन शांति की दुआएं की। आयोजक महम्मुद राणा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से आयोजित संगोष्ठी में महिलाओं को दी पोषण संबंधी जानकारियां

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत गुरुवार को जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। रेलवे कॉलोनी ब्रह्मपुरी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित संगोष्ठी में महिला बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर विधा जैन ने महिलाओं और बच्चों में कुपोषण से बचाव के लिए उपाय संबंधी विभिन्न जानकारियां दी। उन्होंने पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए महिलाओं और बच्चों से उचित पोषण युक्त आहार लेने की सलाह दी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अरविंद गौतम ने टीकाकरण, मातृ वंदन योजना, मां वाउचर योजना, लाडो योजनाओं की जानकारी दी।

संदर्भ वक्ता सतीश वर्मा ने भावी पीढ़ी के उचित संवर्धन के लिए बाल विवाह रोकने तथा सरकार द्वारा निर्धारित आयु में ही विवाह करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शारीरिक और मानसिक रूप से परिपक्व होने के बाद मां बनने तथा उचित पोषण लिए जाने से आने वाली पीढ़ी और समाज सुदृढ़ बनेंगे। ब्यूरो के प्रभारी अधिकारी नेमीचंद मीणा ने विभागीय गतिविधियों और सरकार के विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पूजा वर्मा, सलोनी महावर और संतोष शर्मा ने पोषण जागरूकता संबंधी रंगोली और आहार का प्रदर्शन किया। उन्होंने महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र पर आकर सभी टीके लगवाने तथा उचित पोषण लिए जाने के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विजेताओं को ब्यूरो की ओर से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों और महिलाओं ने बाल विवाह रोकने में पूर्ण सतर्कता और सहयोग करने की शपथ भी ली।

20 अप्रैल को विश्व दरूद दिवस विश्व में शांति की अपील की दुआ होगी

कोटा (रॉयल पत्रिका) । पैगम्बर इस्लाम का जन्मदिन अंग्रेजी कैलेंडर ईस्वी सन से 20 अप्रैल 571 को है। रज़ा एकेडमी की अपील पर विश्व में शांति की स्थापना के लिए विश्व दरूद दिवस के नाम से मनाया जाएगा। तंजीम उलमा व आइमा मसाजिद की ओर से एक महत्वपूर्ण बैठक दरगाह शेर वाले बाबा नयापुरा पर आयोजित की गई। तंजीम के सरपरस्त मौलाना फ़ज़ले हक, मौलाना सईद मुख्तार व अध्यक्ष सय्यद तफज्जुल रहमान, सचिव मौलाना कमरुद्दीन अशरफी, हाफिज यामीन, काजी शौकत ने 20 अप्रैल को मदरसों में अधिक से अधिक दरूद शरीफ पढ़ के विश्व में शांति कायम रहे इसकी दुआ की। 20 अप्रैल को विशेष दुआ का कार्यक्रम विभिन्न मस्जिदों व मदरसों में रखा गया।

22 अप्रैल के कार्यक्रमों को लेकर चूरू में बैठक

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आगामी 22 अप्रैल को चूरू में आयोजित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ की प्रतिमा अनावरण समारोह तथा पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ के जन्मदिवस पर आयोजित कार्यक्रम को लेकर चूरू के वार्ड 48 में सुरेश सैनी व जिला मीडिया संयोजक रवि दधीच की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। मोहल्ले वासियों ने विश्वास दिलाते हुए कहा कि वे इस कार्यक्रम मे सैकड़ों की संख्या में शामिल होंगे। मोहल्ले वासियों ने सर्वसम्मति से निर्णय किया कि वे अपने वाहनों से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। इस अवसर पर वार्ड नंबर 48 के सुरेश सैनी, रवि दाधीच, सचिन भार्गव, लक्की, संजय, राकेश धनराज,अशोक, योगेश, सुभाष, विकास, बंटी, गुरूमुख, उम्मेद, रवि, राकेश पिंकेश, पिंकू, बूधाराम लिलाधर, चेतन, अशोक, रादूराम, किशोरी, गलू, कालू, मनीष सहित अनेक कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे।

मनीष मीणा को मिलेगा रुकमणी वर्मा युवा साहित्यकार पुरस्कार

-प्रयास संस्थान द्वारा पैंतीस साल से कम के युवाओं को दिया जाता है प्रतिवर्ष यह पुरस्कार

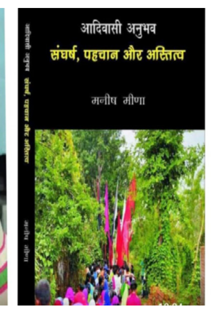

चूरू (रॉयल पत्रिका)। साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों में संलग्न स्थानीय प्रयास संस्थान द्वारा अपने वार्षिक पुरस्कारों की शृंखला में राजस्थान प्रांत के हिंदी साहित्य के पैंतीस वर्ष से कम वय के रचनाकारों को प्रतिवर्ष दिए जाने वाला रूकमणी वर्मा युवा साहित्यकार पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए पीलोड़ी-दौसा के मनीष मीणा को दिया जाएगा। प्रयास संस्थान सचिव कमल शर्मा ने बताया कि वर्ष 2026 के पुरस्कार के लिए मनीष मीणा की वैचारिक संस्मरणात्मक कृति "आदिवासी अनुभव : संघर्ष, पहचान और अस्तित्व" का चयन किया गया है। इस पुरस्कार के तहत रचनाकार को ग्यारह हजार रुपये, शॉल, श्रीफल, मानपत्र देकर अलंकृत किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार अब तक उदयपुर के मिहिर पंड्या, सेवा-गंगापुर सिटी के गंगा सहाय मीणा, सवाई माधोपुर के बलराम कांवट, पोसानी-सीकर के संदीप मील, विकासनगर-डूंगरपुर के हर्षिल पाटीदार, राजगढ़ की डिंपल राठौड़, पीलवा-जयपुर के मेवाराम गुर्जर, भोजाण-राजगढ़ के सुनील कुमार लोहमरोड़ सोनू के नाम हो चुका है।

मोरीजा में होगा खटीक समाज का प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। मोरिजा में होने वाला खटीक समाज का प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन 19 अप्रैल को आयोजित होने वाले खटीक समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर समाज बन्धुओं में खुशी का माहौल बना हुआ है। समाज बन्धु बढ़-चढ़कर विवाह सम्मेलन में दानदाताओं की ओर से दुल्हनों के लिए बर्तन, कपड़े, आभूषण भेंट किए जा रहे हैं। दूरदराज में निवास करने वाले समाज बन्धु सामूहिक विवाह सम्मेलन में अपनी-अपनी भागीदारी निभाने में किसी तरह की कमी नहीं छोड़ रहे हैं। इस कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विद् एवं भामाशाह बनवारी लाल सांखला ने बताया कि अध्यक्ष खटीक समाज समिति रजि नगरपालिका कालाडेरा, भगवान सहाय सांखला, सुवालाल, हनुमान सहाय सामरिया, बुद्ध राज सामरिया, महेश सांखला, अमित सांखला, पवन, अजय सांखला, हरसहाय, रामपाल नावरिया, सांवर मल चौहान, मोहनलाल, केदार सांखला आदि समाज बन्धु बढ़-चढ़कर प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन में अपनी-अपनी भागीदारी निभाने रहें हैं।

अंता विधायक प्रमोद जैन भाया ने श्रीजी चौक कार्यालय पर की जनसुनवाई

बारां (रॉयल पत्रिका)। अन्ता विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया द्वारा गुरुवार 15 अप्रैल को श्री जी का चौक, बारां स्थित अपने कार्यालय पर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान अन्ता विधानसभा क्षेत्र सहित जिले भर से बड़ी संख्या में आमजन अपनी समस्याएं और परिवेदनाएं लेकर पहुंचे। जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों ने पेयजल, बिजली, सड़क, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, राजस्व प्रकरणों सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। भाया ने प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रमोद जैन भाया ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है तथा जनसुनवाई के माध्यम से सीधे संवाद स्थापित कर लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जनसुनवाई कार्यक्रम में लोगों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

जयपुर में बिना दहेज हुई शादियां, एपीएस टीम ने किया सम्मान

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। दहेज प्रथा के खिलाफ एपीएस टीम महवा द्वारा चलाया जा रहा जागरूकता अभियान अब प्रभावी परिणाम देने लगा है। इसी अभियान के तहत जयपुर में दो बेटियों की बिना दहेज के शादी संपन्न होने पर एपीएस टीम ने मौके पर पहुंचकर नवविवाहित जोड़ों और उनके परिजनों का सम्मान किया। एपीएस टीम के प्रमुख संरक्षक एफ आर शाह के नेतृत्व में टीम ने सानिया बानो और तानिया बानो के विवाह समारोह में भाग लिया। सानिया बानो का विवाह लालसोट निवासी रेहान खान के साथ तथा तानिया बानो का विवाह गंगापुर सिटी निवासी मुस्तफा खान के साथ बिना दहेज के संपन्न हुआ। इस सराहनीय पहल पर टीम ने वर-वधु सहित दोनों परिवारों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर एफ आर शाह ने कहा कि दहेज प्रथा समाज के लिए अभिशाप है और इसे खत्म करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि एपीएस टीम का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाकर युवाओं और अभिभावकों को बिना दहेज के विवाह के लिए प्रेरित करना है। जयपुर में हुई ये दोनों शादियां समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश हैं और अन्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। उन्होंने आगे कहा कि यदि इसी तरह समाज के लोग आगे आएंगे तो दहेज जैसी कुरीति को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। एपीएस टीम भविष्य में भी ऐसे प्रयासों को जारी रखेगी और अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ेगी।कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने भी इस पहल की सराहना की और बिना दहेज के विवाह को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। टीम के सचिव ओमप्रकाश मीणा ने दहेज प्रताड़ना के संबंध में कानूनी जानकारी भी दी।उन्होंने कहा कि लड़के लड़कियों के पिताजी असल कुर्बानी तो इन्हीं लोगों की है।बच्चे तो कहते हैं जो ही करते हैं। साथ ही करौली जिला अध्यक्ष सिराज खान, हुसैन भाई बूंदी, शहजाद भाई लूनियावास, महबूब भाई सांगानेर, जयपुर जिला अध्यक्ष आलम भाई, रईस भाई आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित

जिला कलक्टर ने आमजन की समस्याएं सुनकर, दिए त्वरित राहत के निर्देश

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय जनसुनवाई और जन अभाव अभियोग निराकरण सतर्कता समिति की बैठक जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल की अध्यक्षता में गुरुवार को राजीव गांधी सेवा केन्द्र, कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित हुई। जिसमें उन्होंने संवेदनशीलता के साथ परिवादियों की समस्याएं सुन उन्हें त्वरित राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपखंड अधिकारी भी जुड़े। बैठक में जिला कलक्टर जनागल ने कहा कि समिति में प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण में समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने जांच से संबंधित प्रकरणों में भी समय का ध्यान रखने के लिए निर्देशित किया तथा निस्तारण संबंधी तथ्यात्मक जवाब प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगली जनसुनवाई में निस्तारण से शेष रहे प्रकरणों में निर्धारित समयावधि में जांच पूर्ण कर रिपोर्ट उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान अतिक्रमण हटाने के, गंदे पानी की निकासी, सीमा ज्ञान, रास्ता खुलवाने, जमीन विवाद सहित भूमि अवाप्ति का मुआवजा आदि के परिवादों की सुनवाई करते हुए सात नए प्रकरणों में से तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। साथ ही पुराने मामलों में प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में एसडीएम विश्वजीत सिंह, महिला अधिकारिता उप निदेशक दुर्गाशंकर मीणा, सीएमएचओ संजीव सक्सेना, नगर परिषद आयुक्त भुवनेश मीणा, सीडीईओ गैंदालाल रैगर, सहायक निदेशक जनसंपर्क योगेन्द्र शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जनगणना प्रथम चरण के लिए फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

बारां (रॉयल पत्रिका)। जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण व मकानों की गणना के लिए प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल की अध्यक्षता में जिला स्तर पर फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 16 से 18 अप्रैल एवं 20 से 22 अप्रैल 2026 का उप जिला जनगणना अधिकारी एवं उप निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के कार्यालय में शुभारम्भ किया गया। जिला कलक्टर जनागल ने फील्ड ट्रेनर्स को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त निर्देशों का पूर्णतः पालन करते हुए अपना शत-प्रतिशत देकर कार्य करे तथा आंकड़ों की शुद्धता एवं सत्यता का विशेष ध्यान रखें। किसी भी स्तर पर लापरवाही या त्रुटि की संभावना ना रहे एवं अधिक से अधिक संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं आमजन को स्वगणना के लिए प्रेरित एवं जागरूक करें। जनगणना कार्य निदेशालय से नियुक्त मास्टर ट्रेनर्स विश्वनाथ प्रताप गुर्जर एवं संदीप बुगालिया द्वारा सभी फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षित करते हुए बताया कि जनगणना के संपूर्ण कार्य का प्रबंधन एवं निगरानी सीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। सैटेलाइट इमेजनरी के आधार पर ब्लॉकों का सीमा निर्धारण भी एचएलबीसी पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। इसके साथ ही आंकड़ों के संग्रहण व जांच के लिए डिजिटल एप का प्रयोग होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप जिला जनगणना अधिकारी रामप्रसाद बैरवा एवं जनगणना कार्य निदेशालय द्वारा नियुक्त जिला समन्वयक निशा मीणा तथा जिला स्तर पर जनगणना कार्य का संपादन के लिए नियुक्त जितेन्द्र कुमार मीणा, सहायक प्रोग्रामर एवं जिला जनगणना सेल के कार्मिक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

सूचना
समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

उप तहसील बींझबायला में विशाल आम्बेडकर जयंती समारोह का भव्य आयोजन, भन्ते धम्मप्रिय को कार भेंट

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में भव्य जयंती समारोह का 15 पंचायतों का ब्लाक स्तरीय आयोजन राजवंशी गार्डन मैरिज पैलेस में किया गया जिसमें उप तहसील बींझबायला की निकटवर्ती लगभग 15 ग्राम पंचायतों के प्रबुद्ध ग्रामीण बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत धम्मभूमि से आए बौद्ध भिक्खु भन्ते धम्मप्रिय ने बुद्ध वंदना के साथ की। साहित्यकार बी एल पारस ने स्वागत भाषण में कहा कि बाबा साहब डॉ. आम्बेडकर आज देश ही नहीं, देश की सीमाओं से बाहर जाकर एक सार्वभौमिक व्यक्तित्व बन चुके हैं। दिन-प्रतिदिन उनके विचारों की प्रासंगिकता बढ़ रही है, ऐसे में यह जयंती समारोह का आयोजन और इसमें सभी वर्गों की सहभागिता दिल को छू लेने वाली है। कार्यक्रम में चार मुख्य वक्ताओं ने अलग-अलग विषयों पर विस्तार पूर्वक अपने विचार साझा किये। नोहर से शिक्षाविद अशोक शर्मा ने बाबा साहब डॉ. आंबेडकर के जीवन संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर चर्चा करते हुए कहा कि यद्यपि मेरा जन्म ब्राह्मण परिवार में हुआ, फिर भी मुझे इस बात की शर्मिन्दगी है कि मेरे पुरखों ने जाति प्रथा का बीजारोपण कर देश को बांटने का काम किया। एडवोकेट सुरेन्द्र लोहरा ने जहाँ एससी/एसटी एक्ट की पृष्ठभूमि, प्रावधानों, और इसकी प्रासंगिकता पर बात रखी, वहीं कॉमरेड रविन्द्र तरखान ने कम्पनीयो के मकङजाल , किसानों, मज़दूरों के हक और संविधान पर मँडराते खतरों की ओर सबका ध्यान आकर्षित किया। चौथी वक्ता सरिता कुमारी ने हिन्द कोड बिल को भारतीय नारी की मुक्ति का दस्तावेज बताते हुए उनके पंच, सरपंच, एमएलए-एमपी से प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति बनने में संविधान की भूमिका को स्पष्ट किया। कार्यक्रम संयोजक शंकर लाल साहू तथा हनुमान जी सर ने बताया बींझबायला, घमूड़वाली, 13 बीबी आदि गाँवों के बच्चों ने बाबा साहब डॉ. आंबेडकर के जीवन से जुड़े गीतों पर नृत्य कर सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। रेड आर टीम द्वारा शहीद भगतसिंह के जेल जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति ने जहाँ उपस्थित लोगों को भावुक किया, वहीं मिशनरी सिंगर बजरंग राठी द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी गीत 'हिन्द कोड बिल सुणाऊं ऐ सखी' ने सारी महिलाओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। प्रिया कालवा के संविधान निर्माण में बाबा साहब डॉ. आंबेडकर का योगदान वक्तव्य ने भी सबका ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर बीमा सलाहकार नवीन कुमार द्वारा उपस्थित जनसमूह को बी एल पारस की बाल पोथी 'हमारे बाबा साहब' की एक-एक प्रति उपहार स्वरूप भेंट की गई। इस अवसर पर सिविल सर्विस परीक्षा में 221वीं रैंक प्राप्त कर क्षेत्र को गौरवान्वित करने वाले देवांश सारस्वत, बॉलीवुड अभिनेता के रूप में पहचान स्थापित करने वाले विजेंद्र साहू, हाल ही में डॉक्टरेट करने वाले डॉ. अमित

कुमार देवनगर को भी इस अवसर पर प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। बौद्ध भिक्खु भन्ते धम्मप्रिय को धम्मभूमि उपासक-उपासिकाओं द्वारा कार भेंट किया जाना इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। धम्मभूमि प्रतिनिधि जितेन्द्र सम्यक ने बताया कि भन्ते धम्मप्रिय पिछले कई बरसों से महाकारुणिक बुद्ध के सत्य, अहिंसा, करुणा, मैत्री और ध्यान साधना के जनकल्याणकारी संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं। गृह त्यागी बौद्ध भिक्खुओं की सेवा गृहस्थों की ज़िम्मेदारी है, यही सोचते हुए डॉ. एम एल जोईया, डॉ. बिरमाराम, ओमप्रकाश कालवा, दुलीचंद पंवार, पूर्ण बौद्ध, हर्षवर्धन बौद्ध, डॉ. भीमराज बौद्ध, नीतू बौद्ध, सुनील सम्यक, नवीन बौद्ध, डॉ. सुभाषचंद्र और जितेन्द्र बौद्ध ने भन्ते धम्मप्रिय को यह कार भेंट की है। इस अवसर पर बीकानेर, खरबारा, 465 आरडी, घड़साना, धौलीपाल, गंगानगर, सूरतगढ़ आदि स्थानों से बौद्ध जन उपस्थित रहें। जंयती समारोह में उपजिला प्रमुख सुदेश मोर, भूपराज कड़वासरा भाजपा मंडल उपाध्यक्ष बीझबायला मंडल, आज़ाद समाज पार्टी ज़िलाध्यक्ष वेदप्रकाश बौद्ध, भीम आर्मी पदमपुर अध्यक्ष हंसराज रोझ, घमुङवाली सरपंच कमलजीत सिंह ढिल्लो, 54 एलएनपी सरपंच अमीचंद ढाल, सावंतसर सरपंच गुड्डी देवी, साहबराम भाम्भू, भामाशाह रणवीर गोदारा, भामाशाह श्रीभगवान घोङेला, पदमपुर बार संघ अध्यक्ष एडवोकेट दयाराम सारस्वत, पोलाराम चालिया रूपराम नोखवाल, मदन महिया, गुरदीपसिंह सेखो, विष्णु भाम्भू, गोपीराम सांहू, पुरखाराम सुढा, ओमप्रकाश चालिया, सीमा देवी, भद्रवाल संस्था प्रधान रणजीत शर्मा, तेजभान शर्मा, नरेंद्र मण्डा, ओम प्रकाश खुड़िया आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सुंदर मंच संचालन सुनील खुडियाल ने किया। कार्यक्रम के व्यवस्थित आयोजन में बींझबायला से जहाँ साहबराम मायल, एड.हंसराज, सुभाष सूडा, विजय सिंवल, नसरुद्दीन, विनोद धानिया, आनंद, अमन, महावीर साहू, मुल्कराज सीमार, बलदेव सीमार, संदीप खुङियाल, रामस्वरूप सांहू, गौतम गौड़ आदि की सक्रिय सहभागिता रही, वहीं घमूड़वाली ग्राम पंचायत से शिवलाल लिखाला, महेन्द्र कालवा कोषाध्यक्ष, सुभाष परिहार, प्रकाश रांगेरा, नवीन बौद्ध ने सक्रिय सहयोग किया। सांवतसर से बनवारी आलड़िया, सोनू स्टुडियो, महेन्द्र आलड़िया, दस ईईए से सुभाष डगला, मदन नायक, दलीप मिस्त्री, रामचंद्र नाई, फरसेवाला से हरिश नायक, कृष्णलाल लायब्रेरियन, फकीरवाली से राजाराम, जयपाल, संजय, नरसिंहपुरा से जीतराम, रामस्वरूप मेव, सोहन मेव, बनवारी दीवाला, मांझूवास से टीकूराम, 51 एलएनपी से संजय कताला, रणवीर, जगदीश, जीवनदेसर से विजय टेलर, अमित बौद्ध, भीमसेन, रिड़मलसर से राजकुमार बौद्ध, सुभाषचंद्र, 69 एलएनपी से भागीरथ, दलीप, सुनील पेंटर, 11 ईईए से हनुमान पड़िहार, लालचंद मेघवाल, 3 पीपी से भूपसिंह, मनोज पंवार, डॉ. पालाराम, जोड़कियां से बंशीलाल, मनोज दुगरिया, राजेश लूणा,प्रेम लूणा हनुमान लुणा आदि का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम स्थल का पूरा परिसर बींझबायला व्यापार मंडल अध्यक्ष मैनाराम गोदारा द्वारा निःशुल्क उपलब्ध करवाया गया, इस हेतु आयोजन समिति ने गोदारा का विशेष आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में दूर-दराज से आये सभी समाज बंधुओं के लिए भोजन व्यवस्था पालाराम धानिया परिवार PKD भवन द्वारा की गई जबकि कार्यक्रम स्थल पर सजावट की निःशुल्क व्यवस्था विनोद लाइट्स एंड डेकोरेशन हरखेवाला की तरफ से रही। कार्यक्रम के अंत कोष प्रभारी मांगीलाल कालवा ने आर्थिक सहयोग हेतु और भूपसिंह पंवार ने उपस्थित सभी साथियों के साथ-साथ स्वामी विवेकानंद कॉचिंग सेंटर सहित क्षेत्र के सभी शिक्षण संस्थानों द्वारा दिये गये सहयोग के लिए साधुवाद ज्ञापित किया। जय भीम जय भारत

सुजानगढ़ में कांग्रेस-बीजेपी कार्यकर्ता भिड़े:

चूरू विधायक की गाड़ी को रोका, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

मोहम्मद अली पठान

सुजानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। चूरू के सुजानगढ़ में विकास कार्यों के अनावरण के दौरान बीजेपी और कांग्रेस के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। अनावरण पट्टिका में स्थनीय विधायक का नाम नहीं होने पर कार्यकर्ताओं में रोष फैल गया। गुस्साए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनावरण पट्टिका को तोड़ा डाला। घटना बुधवार रात 9:45 बजे की है। बुधवार शाम 7:30 सुजानगढ़ के एन. के लोहिया स्टेडियम में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा था। साथ ही स्टेडिमय में हुए विकास कार्यों का अनावरण किया जा रहा था। कार्यक्रम में चूरू विधायक हरलाल सहारण, बीजेपी जिला महामंत्री पराक्रम सिंह राठौड़, स्थानीय बीजेपी नेता कमल दाधीच समेत बीजेपी के कई नेता मौजूद थे। इस दौरान कार्यक्रम में स्थानीय विधायक मनोज मेघवाल को नहीं बुलाने के साथ ही अनावरण पट्टिका में नाम नहीं होने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया। काले

झंडे लेकर झुडे कांग्रेस कार्यकर्ता रात 9:45 बजे स्टेडियम के गेट के बाहर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता काले झंडे लेकर इकट्ठा हो गए। इस दौरान बीजेपी नेता कमल दाधीच और बीजेपी के कार्यकर्ता उनसे भिड़ गए। जहां दोनों पक्षों के धक्का मुक्की के साथ हाथापाई तक हो गई। मामला बढ़ता देख पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग किया। बीजेपी कार्यकर्ताओं को स्टेडिमय के अंदर कर गेट बंद कर दिया और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बाहर ही रोक लिया। इस दौरान विवाद में गुस्साए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनावरण पट्टिका को ही तोड़ डाला। चूरू विधायक की गाड़ी को रोका थोड़ी देर बाद जब चूरू विधायक हरलाल सहारण गणेश मंदिर के आगे स्थित गेट से बाहर निकले तो कांग्रेस कार्यकर्ता गाड़ी के आगे आ गए। इस पर विधायक नाराज होकर गाड़ी से उतर गए। जहां कांग्रेस और बीजेपी कार्यकर्ताओं को आमने सामने देखकर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर दोनों पक्षों को खदेड़ा और विधायक को सुरक्षित कार में बैठाया। कांग्रेस विधायक ने बीजेपी पर साधा निशाना मामले को लेकर स्थानीय विधायक मनोज मेघवाल ने कहा-कार्यक्रम की कोई अनुमति नहीं थी। ना ही किसी को सूचना दी। बीजेपी के कार्यकर्ताओं का तरीका ठीक नहीं था। हमारे कार्यकर्ता शातिपूर्ण तरीके से विरोध जता रहे थे। अनाधिकृत लोग कार्यक्रम में थे, जिसकी वजह से पूरी घटना हुई।

समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा गुरूवार को राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज सवाई माधोपुर में एम्पावरिंग राजस्थान यूथ, लीगल लिट्रेसी इनिशिएटिव के तहत साइबर अपराधों की रोकथाम के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सचिव समीक्षा गौतम ने आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध के प्रकारों एवं उनसे बचाव के उपायों, साइबर अपराध से पीड़ित लोगों को त्वरित न्याय उपलब्ध करवाने के लिए राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजना (साइबर अपराध से पीड़ित व्यक्तियों को विधिक सेवाएं) योजना 2026, साइबर रिड्रेसल यूनिट, साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों के आवेदन की प्रक्रिया, साइबर हेल्पलाईन नंबर 1930, नालसा हेल्पलाईन नंबर 15100 आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही बालविवाह के दुष्परिणामों, बालविवाह के शिकायत के आवेदन की प्रक्रिया, बालविवाह की शिकायत के निवारण में विधिक सेवा प्राधिकरणों एवं विधिक सेवा समितियों की भूमिका, चाईल्ड हेल्पलाईन नंबर 1098 के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान पैनल अधिवक्ता नंदकिशोर बैरवा विधि से संघर्षरत किशोरों द्वारा साइबर अपराधों में वृद्धि, किशोर न्याय बोर्ड द्वारा साइबर अपराध के मामलों में की जाने वाली कार्यवाही, विधि से संघर्षरत किशोरों के सुधार एवं पुनर्वास, किशोर न्याय अधिनियम आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। असिस्टेंट एलएडीसी द्वारा साइबर अपराध के मामलों में सजा का प्रावधान, डिजिटल अरेस्ट, हैंकिंग आदि एवं पैनल अधिवक्ता तपेश जैन ने बालविवाह के मामलें में सजा का प्रावधान, नालसा आशा योजना 2025 आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

महवा थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार ने पुलिस स्थापना दिवस पर साइबर फ्रॉड बचाव के साथ महिला सुरक्षा बालिका सुरक्षा को लेकर दी जानकारी

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। उपखंड मुख्यालय के पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को 77 वें पुलिस स्थापना दिवस पर साइबर फ्रॉड की जानकारी व बचाव कार्यक्रम आयोजित हुआ। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि महवा थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार मीना, सहायक उप निरीक्षक देशराज व प्रधानाचार्य हनुमान प्रसाद मीना द्वारा मां सरस्वती के मंदिर में माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलन से की गई। तत्पश्चात सभी अतिथियों का विद्यालय स्टाफ द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।थानाधिकारी राजेंद्र कुमार मीना द्वारा 77 वें पुलिस स्थापना दिवस (16 अप्रैल 1949) के अवसर पर छात्राओं को साइबर अपराध लेसन पर विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने छात्राओं को सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो,पिक्चर शेयर न करने,अपरिचित को आईडी

पासवर्ड शेयर करने से बचने, मोबाइल का आवश्यक होने पर ही उपयोग करने की जानकारी दी। थानाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जाने की जरूरत ही नहीं है। बच्चे रील बनाने से बचें। रील में सुन्दर से अति सुन्दर दिखने का झूंठा शौक नहीं पालें। उन्होंने साइबर अपराधों के कई उदाहरण भी दिए। इस पर छात्रा काजल मीना, दिया शर्मा, दिव्यांशी सोनी, क्षमा खोवाल सहित दर्जनों छात्राओं ने पुलिस व साइबर फ्रॉड से जुड़े सवाल किए। उन्होंने एटीएम, बैंक खाता के फ्रॉड के बचाव भी बताए। सेक्स टॉर्शन पर भी छात्राओं को जागरूक किया। उन्होंने ऐसे मामले सामने आने पर थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने स्वयं के मोबाइल नंबर 9928082648 देकर सूचना देने की अपील की। साथ ही हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल सूचना देने को कहा। अंत में प्रधानाचार्य हनुमान प्रसाद मीना ने सभी अतिथियों का आभार जताया। इस दौरान पुलिस स्टाफ के एएसआई देशराज, सनी, लाखन महिला सुरक्षा सखी अनीता अवस्थी व विद्यालय स्टाफ सहित सैंकड़ों छात्राएं मौजूद थी।

मरीजों को मिले उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा - राणावत

-उपखंड अधिकारी ने विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का किया निरीक्षण दिए आवश्यक निर्देश

पाली (रॉयल पत्रिका)। पाली उपखंड अधिकारी ने बुधवार को विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण कर मरीजों के लिए उच्च स्तरीय समुचित चिकित्सा व्यवस्था करवाने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार बुधवार को उपखंड अधिकारी विमलेंद्र सिंह राणावत ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुंदोज, पीएएसी गुड़ा एंदला, डेण्डा में औचक निरीक्षण कर दिशा-निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान उन्होने संस्थानों पर हीट वेव, ओपीडी मैं आने वाले लोगों के लिए ठंडा पानी हेतु वाटर कूलर शीतल छाया टीन सेट कुलर दवाइयां भवन स्थित स्टाफ की उपस्थिति फर्स्ट वर्ड और टॉयलेट पानी के टांके की साफ सफाई संस्थागत डिलीवरी टीकाकरण परिवार कल्याण की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होने मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेते हुए चिकित्सा स्टाफ से चर्चा कर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश देते हुए साफ-सफाई, दवा वितरण, मरीजों की जांच एवं समय पर उपचार सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। इस मौके पर डॉ. रविंद्र सागीवान, कंपाउंड हेमाराम, ब्लॉक हेल्थ सुपरवाइजर नत्थू लाल बामनिया व स्टॉफ मौके पर मौजूद रहे।

10वीं CBSE बोर्ड रिजल्ट में बोहराज स्कूल का दबदबा, जिले में लहराया परचम

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। द बोहराज ग्लोबल स्कूल, महवा ने एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 में शानदार परिणाम दर्ज किया है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर न केवल स्कूल बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। इस वर्ष के सीबीएसई बोर्ड 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों विद्यालय छात्र-छात्राओं ने विद्यालय का नाम रोशन किया है सीबीएसई बोर्ड दसवीं परीक्षा में छात्रा मानशी शर्मा ने 96% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं सोहिल खान 95% एवं स्वप्निल ने 95% अंक के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 7 छात्रों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किये। 40% छात्रों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किए। विद्यालय के अन्य मेधावी विद्यार्थियों में: दिव्यांशी शर्मा (91.40%), आदित्य राज (90.60%), हर्षित चौधरी (90.60%), प्राची भारद्वाज (89.60%), अंशु चौधरी (88.40%), आशी बंसल (87.80%), दिव्यांश गुप्ता (87.40%), यथार्थ शर्मा (87.20%), खुशबू सैनी (85.80%), हिमांशु (85.60%), मस्तराम गुर्जर (85.60%), शुभम जांगिड़ (85.20%), भारत जारवाल (84.80%), दीक्षा चौहान (84.80%), तरुण पराशर (84.60%), सनातन बोहरा (84.00%) एवं कार्तिक मीणा (83.40%) ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन एवं समर्पण के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। इस अवसर पर स्कूल निदेशक विनय बोहरा एवं सह-निदेशक विकास बोहरा, संरक्षक गौ पुत्र अवधेश अवस्थी (महवा/बालाजी मंडावर), प्रिंसिपल दिव्या मिश्रा, वाइस प्रिंसिपल श्वेता राणा, तथा एक्स एलन फैकल्टी योगेश, दीपक, महेश, अभिषेक शर्मा, अभिषेक व्यास, मनीष, जितेंद्र, संध्या, हरीश त्रिपाठी सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके निरंतर प्रगति की आशा व्यक्त की है।

मंगल पुरी आश्रम में उमड़ा जनसैलाब

-धार्मिक कार्यक्रम: भंडारे में श्रद्धालुओ ने पाई पंगत प्रसादी

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत आस्टींकला के स्थित मंगल पुरी आश्रम अखाड़ा भोमिया जी मंदिर परिसर में महंत मंगल पुरी के सानिध्य में चल रहे सात दिवसीय 108 कुंडीय शिव शकतयातमक महायज्ञ का हुआ समापन। इस कार्यक्रम आचार्य पंडित चिरंजी शास्त्री द्वारा मंत्रोच्चार के साथ पूर्णाहुति कर समापन हुआ। बुधवार शाम से ही श्रद्धालुओं का आवागमन शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने सबसे पहले यज्ञ स्थल पर उपस्थित संत महात्माओं को भोग लगाकर क्षेत्र में खुशहाली की कामना की। इस मौके पर आसपास कि ग्रामीण क्षेत्र से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। इस कार्यक्रम को लेकर गोविंदगढ़ थाना अधिकारी विनोद सांखला देखरेख हस्तेडां पुलिस चौकी प्रभारी मय जाब्ता मौके तैनात किया। इस मौके पर मंगल पुरी महाराज ने कहा कि यज्ञ में आहुतियां और सहयोग करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। इस मौके पर चौमू तहसील यादव

समाज के अध्यक्ष सुभाष डागर ने मौके पर पहुंच कर श्रद्धालुओं को कहा कि मनुष्य जीवन मिलना ही एक बड़ी उपलब्धि है और पुण्य कर्मों से ही यह संभव होता है। इस कार्यक्रम के दौरान चौमूं तहसील के सरल भाव के डॉक्टर सुषमा यादव ने भी क्षेत्र वासियों के लिए खुशहाली की कामनाएं की इस कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय थानापति हीरापुरी जी महाराज, उदयपुरिया मठ के नरसिंहपुरी जी महाराज, गौल्यावाला से सागर पुरी जी महाराज, त्रिवेणी धाम के बनारसी दास, नोपुरा देवी नगरी आश्रम के बम महाराज, भुनेश्वर जी महाराज, सहित आस-पास महंत महात्माओं ने श्रद्धालुओं को दिया आशीर्वाद। इस कार्यक्रम में पूर्व प्रधान भगवान सहाय धासिंल, पूर्व सरपंच नंदकिशोर यादव, रिटायर मैनेजर बोदूराम यादव, अशोक कुमार, डॉक्टर प्रभु दयाल यादव, भगवान सहाय यादव वरिष्ठ पत्रकार, पवन शर्मा, मांगीलाल छैला, पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष सांवरमल चौधरी, पूर्व उपसरपंच मगन सिंह, पूर्व सरपंच पति सुरेंद्र सिंह चौधरी, मालदी राम सोनी, बाबूलाल, रामचंद्र, भगवान सहाय सहित सैकड़ो श्रद्धालुओं ने यज्ञ में बाकर अपना शरीय लिया।

डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को डिजिटल माध्यम से जन-जन तक पहुचायेंगें - डॉ. अरविंद शर्मा

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, पाली में जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी एवं जिला प्रभारी श्याम शर्मा के नेतृत्व में सोशल मीडिया, आईटी एवं मीडिया विभाग की संयुक्त बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक में संगठन के डिजिटल विस्तार, प्रभावी संवाद प्रणाली तथा आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, डिजिटल रणनीति एवं संगठनात्मक मजबूती को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया। जिला मुख्य प्रवक्ता त्रिलोक चौधरी ने बताया की बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अरविंद शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से केंद्र की मोदी सरकार एवं राज्य की भजनलाल शर्मा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और ऐतिहासिक उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और वैश्विक स्तर पर नई पहचान बनाई है, वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में सुशासन,

पारदर्शिता और जनहित के कार्यों को गति मिली है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे तकनीकी रूप से दक्ष बनकर इन उपलब्धियों को तथ्यात्मक एवं प्रभावी ढंग से सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाएं और विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम का मजबूती से जवाब दें। जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और समर्पण से ही संभव है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया संगठन का एक सशक्त माध्यम बन चुका है, जिसके जरिए हम सरकार की योजनाओं और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सोशल मीडिया पर नियमित सक्रिय रहने और सकारात्मक, तथ्यात्मक जानकारी साझा करने का आह्वान किया। जिला प्रभारी श्याम शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आईटी, सोशल मीडिया और मीडिया विभाग संगठन की रीढ़ हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को अनुशासन, समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करने का संदेश देते हुए कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। करणी सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि संगठन की मजबूती के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सशक्त उपस्थिति आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने, आपसी समन्वय बनाए रखने तथा नवीन तकनीकों का उपयोग करते हुए अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच बनाने पर बल दिया। इस अवसर पर जिला संयोजक आईटी विभाग मुकेश नाबरिया,जिला संयोजक सोशल मीडिया इन्द्रजीत राव मिडिया संयोजक प्रवीण गुलेच्छा जिला प्रवक्ता पंकज चौधरी पशुपति सिंह जिला सह संयोजक आईटी धर्मवीर किर राहुल मेवाडा राजेंद्र किसान सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यह महिलाओं के लिए नए युग की शुरुआत

महिला आरक्षण बिल पर कंगना रनौत का बड़ा बयान

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर मनोरंजन जगत की कई अभिनेत्रियों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए समर्थन जताया। इस ऐतिहासिक बिल को महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का बड़ा कदम माना जा रहा है। अभिनेत्री कंगना रनौत ने एक इंटरव्यू के दौरान इस बिल को 'ऐतिहासिक' बताते हुए प्रधानमंत्री की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह कानून महिलाओं के लिए एक नए युग की शुरुआत है। कंगना ने कहा, 'यह बिल महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और राजनीति व सत्ता के पदों पर उन्हें समान भागीदारी देगा। महिलाओं को अच्छे-अच्छे पदों पर जगह मिलेगी। हमारा सौभाग्य है कि हम इस इतिहास का हिस्सा बन रहे हैं।' विपक्ष की आलोचना पर कंगना ने कहा कि यह काम पीएम मोदी की वजह से ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा, 'विपक्ष ने तो हमेशा इस बिल को रोकने की कोशिश की है। इसलिए यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि वे इसमें टांग अड़ाने की कोशिश न करेंगे। 'वहीं, अमीषा पटेल ने भी बिल का भरपूर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं ही आम लोगों की असली समस्याओं और घर-परिवार से जुड़ी परेशानियों को बेहतर तरीके से समझ सकती हैं। उन्होंने कहा, 'देश की प्रगति के लिए महिलाओं की आवाज सुनना बहुत जरूरी है। जब भी किसी क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति होती है और उन्हें ज्यादा समर्थन मिलता है, तो मुझे बहुत खुशी होती है। चाहे नौकरी हो या संसद, जब उनकी आवाज सुनी जाती है और उन्हें मौके दिए जाते हैं, तो यह अच्छा लगता है। 33 प्रतिशत आरक्षण होना चाहिए। महिलाओं का समर्थन करना बेहद जरूरी है। मैं इसका पूरा समर्थन करती हूं।

प्रेरणा की तलाश में रसिका दुग्गल

नॉवेल म्यूजिक व पॉडकास्ट से मिला सुकून

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर सितारे अलग-अलग चीजों से प्रेरणा लेते हैं। कुछ ऐसा ही अनुभव बॉलीवुड एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने साझा किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फैंस को बताया कि उन्हें पिछले कुछ महीनों में किन-किन चीजों से प्रेरणा मिली है। रसिका दुग्गल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह अपने बालों के साथ खेलती नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने एक लंबा कैप्शन लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी इंस्पिरेशन सोर्स के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह हमेशा ऐसी चीजें ढूंढती रहती हैं, जो उनके मन के इमोशन्स को बदल सकें और उन्हें अंदर से मजबूत बना सकें। रसिका ने कैप्शन में लिखा, ''इंस्पिरेशन की तलाश में... हमेशा कुछ ऐसा ढूंढती रहती हूं जो मेरे एहसासों को थोड़ा बदल दे, मेरे मन की बात कह दें... पिछले कुछ महीनों में कुछ चीजें मेरे लिए खास प्रेरणा का स्रोत रही है।'इस दौरान रसिका ने खासतौर पर फिगर स्केटर एलिसा लियू का जिक्र किया और लिखा,'उनकी शानदार वापसी ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया। एलिसा की वापसी प्रेरणादायक रही। यह एक ऐसी कमबैक कहानी है, जिसमें मेहनत, आत्मविश्वास और अपने तरीके से आगे बढ़ने की ताकत साफ दिखाई देती है। उनकी उपलब्धियां काफी शानदार रही हैं, जिसमें ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े मंचों पर उनकी जीत शामिल है।' रसिका को साहित्य से भी गहरी प्रेरणा मिली। उन्होंने मशहूर लेखिका किरण देसाई के नॉवेल का जिक्र करते हुए कहा, ''उसमें दिखाए गए किरदार सोनिया और सनी की अकेलेपन भरी कहानी ने मेरे दिल को छू लिया। 90 के दशक में भारत में बड़े हुए लोगों के लिए यह कहानी बेहद करीब महसूस होती है। मैं इस किताब में इतनी खो गई कि आज भी इसके बारे में सोचती रहती हूं और कभी-कभी सपनों में भी इसकी झलक देखती हूं।' रसिका ने आगे लिखा, ''संगीत की बात करें तो मैंने एलिसा लियू की परफॉर्मेंस को बार-बार देखा है, जिसके बाद मेरा झुकाव डिस्को म्यूजिक की ओर भी बढ़ गया। 'मैकआर्थर पार्क सुइट' अब मेरे पसंदीदा गानों में शामिल हो गया है और मैं इसे बार-बार सुनती हैं। इससे पहले मैं 'छा रही काली घटना' जैसे गाने ज्यादा सुनती थीं, लेकिन अब मेरी पसंद में बदलाव आया है और मैं अपनी मॉर्निंग वॉक के दौरान डिस्को गानों का भी आनंद लेती हैं।''

ग्लोबल लेवल पर गूंजा 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' का नाम,एनेसी फेस्टिवल में मिला स्थान!

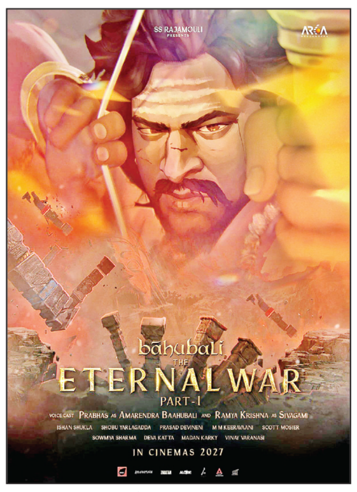

बाहुबली फ्रैंचाइज़ी, जिसमें 'बाहुबली: द बिगिनिंग' और 'बाहुबली: द कंक्लूजन' जैसी दो मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं, भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े ब्रांड्स में से एक है। जहाँ थिएटरों में इसने रिकॉर्ड तोड़े और नए बेंचमार्क सेट किए, वहीं अब मेकर्स इसे 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' के साथ एक नए लेवल पर ले गए हैं, जिसके टीज़र ने ही ग्लोबल लेवल पर लहर पैदा कर दी है। अब एक और बड़ा ग्लोबल इम्पैक्ट डालते हुए, इस फिल्म को प्रतिष्ठित एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया है।'बाहुबली: द इटरनल वॉर' अपनी रिलीज से काफी पहले ही दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है। एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल के 'वर्क इन प्रोग्रेस' सेगमेंट में चुने जाने के साथ, यह फिल्म उन चुनिंदा भारतीय एनिमेशन फिल्मों में शामिल हो गई है जिन्हें इस प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म पर दिखाया जाएगा। खास बात यह है कि 'स्पाइडर-वर्स' और 2025 में बेस्ट एनिमेशन का ऑस्कर जीतने वाली फिल्म 'फ्लो' भी इसी सेगमेंट का हिस्सा रह चुकी हैं, जो बाहुबली फ्रैंचाइज़ी के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।'बाहुबली: द इटरनल वॉर' के मेकर्स ने जो टॉप-नॉच क्वालिटी और टेक्निकल बारीकियां हासिल की हैं, वे टीज़र में ही साफ़ नज़र आ रही थीं।एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल हर साल जून के आखिरी हफ्ते में फ्रांस के एनेसी शहर में होता है। यह अलग-अलग तकनीकों (ट्रेडिशनल, कट-आउट, क्लेमेशन, CGI, आदि) से बनी एनिमेटेड फिल्मों के बीच एक कॉम्पिटिशन है। फेस्टिवल के दौरान, शहर के सिनेमाघरों में फिल्मों की स्क्रीनिंग के अलावा, शहर के केंद्र में झील और पहाड़ों के बीच 'पाक्वियर' पर एक ओपन-एयर नाइट प्रोजेक्शन भी आयोजित किया जाता है। फेस्टिवल के टॉपिक के हिसाब से विशाल स्क्रीन पर क्लासिक या हालिया फिल्में दिखाई जाती हैं। शनिवार शाम को सभी पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की जाती है।'बाहुबली: द इटरनल वॉर' दो भागों वाला एक एनिमेटेड महाकाव्य है, जिसका निर्देशन पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता ईशान शुक्ला ने किया है। पार्ट 1 का टीज़र पहले ही रिलीज़ हो चुका है और फिल्म 2027 में रिलीज़ होने वाली है।

भूत बंगला प्रमोट करने में हुई अक्षय कुमार की किरकिरी

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपकमिंग फिल्म भूत बंगला के प्रमोशन में व्यस्त चल रहे हैं। एक्टर फिल्म प्रमोट करने के लिए एकता कपूर के सुपरनैचुरल टीवी शो नागिन 7 में कैमियो करते दिखे। हालांकि अब शो से एक क्लिप वायरल हो रहा है, जिसमें अक्षय कुमार टेली प्रॉम्पटर की मदद से डायलॉग पढ़ते नजर आ रहे हैं। नागिन 7 के वीकेंड में टेलीकास्ट किए गए एपिसोड में अक्षय कुमार ने नाग गुरू के रूम में कैमियो किया। एपिसोड में वो नागिन बनीं एक्ट्रेस प्रियंका चहर को ड्रैगन यमन से लड़ने का सुझाव दे रहे हैं। अब एपिसोड का एक क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिस पर एक्टर को जमकर ट्रोल किया जा रहा है। क्लिप में साफ देखा जा रहा है कि अक्षय कुमार अपने डायलॉग्स याद किए बिना ही टेली प्रॉम्पटर से पढ़ रहे हैं। उनकी आंखें प्रॉम्पटर के शब्दों को फॉलो करती हुई साफ दिखाई दीं। वीडियो सामने आने के बाद अक्षय को ट्रोल किया जा रहा है। एक यूजर ने लिखा, 30 साल के करियर के बाद भी अगर 60 साल का एक्टर डायलॉग याद न रखे, तो कुछ लोगों को यह अजीब या शर्मनाक लग सकता है। हालांकि, कई कलाकार काम की स्पीड और प्रैक्टिकल कारणों की वजह से टेलीप्रॉम्प्टर का इस्तेमाल करते हैं।

जूनियर एनटीआर ने 50 दिनों में 9.5 किलोग्राम वजन घटाया

जूनियर एनटीआर के साथ अभी ठीक यही हो रहा है। एक्टर ने चुपके से इंस्टाग्राम पर अपनी एक नई तस्वीर शेयर की है, जिसे देखकर लोग हैरान रह गए हैं। यह उनकी आने वाली फ़िल्म ' ड्रैगन' के लिए है, जिसे Prashanth Neel डायरेक्ट कर रहे हैं। और हाँ, यह बदलाव बिल्कुल असली है। भारतीय सिनेमा में जब भी बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की बात आती है, तो कलाकार अक्सर वजन घटाने या डोले-शोले बनाने की बात करते हैं। लेकिन ग्लोबल स्टार जूनियर एनटीआर ने इस बार कुछ ऐसा किया है जिसने फिटनेस एक्सपर्ट्स और फैंस दोनों को हैरान कर दिया है। अपनी आगामी फिल्म निर्देशक प्रशांत नील के लिए उन्होंने सिर्फ 7 हफ्तों में अपना 9.5 किलो मसल्स मास कम किया है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर शेयर की गई उनकी एक तस्वीर ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, जिसमें वे पहले से कहीं ज्यादा लीन और फुर्तीले नजर आ रहे हैं। तस्वीर देखने में तो साधारण है, लेकिन अपना काम बखूबी करती है। जूनियर एनटीआर एक खास पोज़ में नज़र आ रहे हैं, जिसमें उन्होंने क्लासिक 'डबल बाइसेप्स' वाला पोज़ दिया है। तस्वीर पीछे से ली गई है, इसलिए फ़ोकस बिल्कुल साफ़ है। पीठ। बांहें। कंधे। सब कुछ ज़्यादा कसा हुआ और ज़्यादा तराशा हुआ लग रहा है। मसल्स की सिमिट्री (बनावट) बिना किसी ज़्यादा कोशिश के ही साफ़ उभरकर आ रही है।

समर फैशन को बनाना है खास जाह्नवी कपूर के ये आउटफिट्स करें फॉलो

गर्मियों में स्टाइल और कंफर्ट का सही बैलेंस बनाना आसान नहीं होता, लेकिन जाह्नवी कपूर के ये समर लुक्स आपको ट्रेंडी के साथ-साथ कूल रहने के परफेक्ट आइडियाज देते हैं। गर्मियों का मौसम आते ही हर कोई अपने लुक को स्टाइलिश और कूल बनाना चाहता है। ऐसे में अगर आप भी समर फैशन को खास बनाना चाहते हैं, तो बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर के ये ट्रेंडी आउटफिट्स आपके लिए परफेक्ट इंस्पिरेशन बन सकते हैं। जाह्नवी का ये डेनिम लुक काफी रॉयल लग रहा है. मिनी स्कर्ट और क्रॉप टॉप में वो काफी ब्यूटीफुल लग रही हैं. समर फैशन के लिए आप इसे ट्राई कर सकती हैं। इस चेक ड्रेस में जाह्नवी काफी क्लासी दिख रही हैं. एक्ट्रेस के इस लुक को आप समर सीजन में आसानी से कैरी कर सकती हैं। इस फोटो में एक्ट्रेस स्ट्रेपलेस टॉप में नजर आ रही हैं साथ ही उन्होंने शॉर्ट्स कैरी की है. उनके इस लुक को आप वेकेशन पर ट्राई कर सकती हैं। एक्ट्रेस इस आउटफिट में काफी स्टाइलिश लग रही हैं. उन्होंने शॉर्ट्स और कॉर्डसेट टॉप वियर किया है. उनका ये लुक भी समर सीजन के लिए एकदम परफेक्ट है।

(साभार एजेंसी)

धोनी ने चेपॉक पर किया अभ्यास, केकेआर के खिलाफ खेलने की संभावना

चेन्नई (एजेंसी)। कॉफ इंजरी से उबर रहे एमएस धोनी की आईपीएल 2026 में वापसी के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि वह अभी भी मैच फिटनेस पर काम करते प्रतीत हो रहे हैं। 28 मार्च को सीजन के पहले दिन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने बयान में बताया था कि धोनी पहले दो सप्ताह तक के लिए बाहर रह सकते हैं और वह रिहैब से गुजरेंगे।

धोनी टीम के अन्य साथियों के साथ अभ्यास कर रहे हैं लेकिन वह केवल थ्रोडाउन का सामना कर रहे हैं और अभी भी उनका पूरी तरह से फिट होना बाकी है। सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ घरेलू मैच की पूर्व संध्या पर चेपॉक में अंडर लाइट्स सीएसके के अभ्यास के अंतिम चरण में धोनी ने नेट्स में थोड़ी देर अभ्यास किया। लेकिन एक बार फिर उन्होंने सपोर्ट स्टाफ से केवल थ्रोडाउन का सामना किया, उन्हें अभ्यास कराने वालों में टीम के बल्लेबाजी कोच माइक हसी भी शामिल थे।

जब हसी ने प्रैक्टिस पिच के बीच में गेंद डाली तो गेंद धोनी के बल्ले के जोड़ पर जा लगी। लेकिन जब गेंद उनके स्लॉट में पड़ी तब उन्होंने गेंद को अपने बॉटम हैंड का इस्तेमाल करते हुए मिडविकेट बाउंड्री की ओर भेज दिया। इसके बाद उन्होंने स्लॉट में पड़ी एक और गेंद को लेग साइड में'जेस्टैंड में भेज दिया। सीएसके का अभ्यास सत्र रात के नौ बजे समाप्त हुआ। धोनी ने विकेटकीपिंग का अभ्यास नहीं किया। 44 वर्षीय धोनी ने सीएसके के अब तक चारों मुकाबले मिस किए हैं और मंगलवार को भी वह खेलने से चूक सकते हैं।

उन्होंने अब तक चेन्नई के बाहर सीएसके के मुकाबलों के लिए गुवाहाटी और बेंगलुरु की यात्रा नहीं की है। वहीं ष्टस्च्य के घरेलू मुक़ाबलों के लिए भी वह चेपॉक नहीं पहुंचे हैं। गुवाहाटी में पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा था कि वह टीम से जुड़ी चर्चाओं में शामिल रहते हैं और टीम पर उनका प्रभाव अभी भी मजबूत है। धोनी की अनुपस्थिति में संजू सैमसन विकेटकीपिंग कर रहे हैं और इंग्लैंड के ऑलराउंडर जेमी ओवर्टन ने अपने खेल से फिनिशर की भूमिका अदा करने की झलक दिखाई है।

सीएसके के पास राजस्थान के विकेटकीपर कार्तिक शर्मा भी हैं जिन्हें उन्होंने दिसंबर में हुई नीलामी में 14.2 करोड़ में खरीदा था, इसके अलावा उनके पास गुजरात के विकेटकीपर उर्विल पटेल का विकल्प भी मौजूद है। पिछले कुछ सीजन में धोनी ने प्रति पारी अंतिम 10-12 गेंदें खेलकर उनका अधिक से अधिक उपयोग करने की भूमिका निभाई है। 2023 में उनका स्ट्राइक रेट 182 था और 2024 में उन्होंने 221 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की थी। लेकिन पिछले साल उन्हें 145 गेंदों का सामना करना पड़ा जो कि 2023 (57) और 2024 (73) में खेली गई गेंदों को मिलाकर भी ज़्यादा था और इसके परिणामस्वरूप उनका स्ट्राइक रेट घटकर 135 का रह गया।

अंशुल कम्बोज और प्रसिद्ध कृष्णा के 10-10 विकेट, पर्पल कैप अभी प्रसिद्ध के पास

चेन्नई (एजेंसी)। दे दनादन क्रिकेट इंडियन प्रमियर लीग (आईपीएल) 2026 जैसे-जैसे आगे बढ़ता जा रहा है अब हर दिन पर्पल और ऑरेंज कैप तालिका में बदलाव हो

रहे है। इसी क्रम में मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मुकाबले के बाद अंशुल कम्बोज और प्रसिद्ध कृष्णा के 10-10 विकेट हो गए हैं लेकिन पर्पल केप पर प्रसिद्ध का कब्जा है।

सीएसके के मध्यम तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज अब तक एक भी मैच ऐसा नहीं खेले हैं जिसमें उन्हें विकेट न मिला हो। पांच मैचों में सिर्फ एक बार ऐसा हुआ जब वे दो या उससे अधिक विकेट नहीं ले सके। एमए चिंदबरम स्टेडियम में खेले कल खेले गए मुकाबले में कम्बोज ने केकेआर के खिलाफ 32 रन देकर 2 विकेट झटके इसी के साथ उनके इस सीजन में कुल 10 विकेट हो गए।

अब वे प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात टाइटंस) के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर पहुंच गए हैं। हालांकि बेहतर इकॉनमी रेट के चलते पर्पल कैप अभी भी कृष्णा के पास ही है। इस तालिका में रवि बिश्नोई (राजस्थान रॉयल्स) 9 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। उनके बाद जोफ्रा आर्चर 7 विकेट के साथ चौथे नंबर पर हैं। इसके बाद तीन गेंदबाज छह-छह विकेट के साथ मौजूद हैं, प्रिंस यादव (लखनऊ सुपर जायंट्स), जैकब डफी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) और केकेआर के वैभव अरोड़ा, जिन्होंने सीएसके के खिलाफ एक विकेट हासिल किया।

टीम इंडिया में बदलते समीकरण, इंग्लैंड दौरा होगा 'करो या मरो'

फॉर्म से जूझ रहे सूर्या पर बढ़ा दबाव

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के सामने अब असली चुनौती शुरू होती दिख रही है। हालिया समय में उनकी बल्लेबाजी में आई गिरावट ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट दोनों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। टीम इंडिया ने भले ही बड़े टूर्नामेंट में सफलता हासिल की हो, लेकिन व्यक्तिगत प्रदर्शन में निरंतरता की कमी अब सूर्यकुमार यादव के भविष्य पर सवाल खड़े कर रही है। सूर्यकुमार यादव के लिए जून-जुलाई में इंग्लैंड और आयरैंड दौरा सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि करियर का अहम मोड़ साबित हो सकता है। इस दौरे में उनकी कप्तानी से ज्यादा बल्लेबाजी पर नजर रहेगी, क्योंकि 2028 ओलंपिक और अगले टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए टीम इंडिया में जगह अब पूरी तरह प्रदर्शन के आधार पर तय होगी।

सूर्या के लिए खराब रहा 2025

सूर्यकुमार के लिए 2025 का साल बेहद खराब रहा, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 120 से भी कम हो गया और वह एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए थे। उन्होंने 2026 में हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और 160 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जिसमें चार अर्धशतक भी शामिल है। टी20 विश्व कप में हालांकि अमेरिका के खिलाफ पहले मैच को छोड़कर सूर्यकुमार का प्रदर्शन उल्लेखनीय नहीं रहा। उन्हें टीम में अपना स्थान बरकरार रखने के लिए अपने प्रदर्शन में हर हाल में निरंतरता लानी होगी। इस बीच, वैभव सूर्यवंशी का नाम टी20 टीम के लिए उन विशेषज्ञ खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया, जिन्हें राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने जून-जुलाई में आयरलैंड दौरे के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए संभावित खिलाड़ियों के रूप में चुना है। सूत्र ने लिखा, ''चयन समिति को पूरा विश्वास है कि वैभव तैयार है, लेकिन फिर आप संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और इशान किशन की बात कर रहे हैं। ये तीनों ही टी20 विश्व कप में अर्धशतक लगा चुके हैं। अगर आप चौथा ओपनर रखते हैं, तो यशस्वी जायसवाल भी मौजूद हैं।''

खराब फॉर्म के कारण उठे सवाल

सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी फॉर्म को देखते हुए सवाल उठने लगे हैं कि क्या उन्हें 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए टीम में शामिल किया जाएगा या नहीं। इंग्लैंड दौरे से यह तय हो सकता है कि क्या उन्हें 2028 में होने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं तक टीम में बनाए रखा जाएगा या नहीं। वर्ष 2028 में अमेरिका में ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया में होने वाला टी20 विश्व कप शामिल हैं।

कोच गंभीर की पहली पसंद हैं

सूर्यकुमार यादव अब भी मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहली पसंद बने हुए हैं, जिनका कार्यकाल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 2028 टी20 विश्व कप तक बढ़ाए जाने की संभावना है। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति गौतम गंभीर से

सहमत होती है या नहीं, क्योंकि ओलंपिक के समय सूर्यकुमार की उम्र लगभग 38 साल हो जाएगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र के हवाले से समाचार एजेंसी पीटीआई ने लिखा, ''सूर्या अभी टीम की कप्तानी कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि एक बल्लेबाज के रूप में वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखें।

पंजाब किंग्स के शानदार प्रदर्शन की सलमान ने की तारीफ

प्रीति जिंटा को बधाई देते हुए कहा- टीम बहुत अच्छा खेल रही है

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने सोमवार को एक्ट्रेस प्रीति जिंटा को उनकी टीम पंजाब किंग्स के आईपीएल 2026 में अब तक के शानदार प्रदर्शन को लेकर बधाई दी। बता दें कि आईपीएल 2026 में पीबीकेएस का प्रदर्शन अब तक काफी शानदार रहा है। टीम फिलहाल 4 मैचों में 3 जीत और 1 बेनतीजा मैच के साथ 7 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सलमान ने लिखा, 'शाबाश जिंटा! बधाई हो जिंटा, टीम बहुत अच्छा खेल रही है।'

फैंस को पुराने ट्वीट की याद आई

सलमान का यह ट्वीट सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया। दरअसल, फैंस ने इस ट्वीट की तुलना साल 2014 में किए गए सलमान के पुराने पोस्ट से की, जिसमें उन्होंने पूछा था, 'जिंटा की टीम जीती क्या?' सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इसे 12 साल बाद आया सबसे अच्छा सीक्वल बताते हुए फनी रिएक्शन दिए। वहीं, एक यूजर ने कहा, 'टाइगर जिंटा है।'

दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया

सलमान खान और प्रीति जिंटा ने कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें चोरी चोरी चुपके चुपके, जान-ए-मन और हर दिल जो प्यार करेगा शामिल हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान जल्द फिल्म मातृभूमि में नजर आएंगे। वहीं इसके अलावा एक्टर जल्द ही दिल राजू के साथ एक फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इस फिल्म में नयनतारा भी नजर आएंगी और इसका डायरेक्शन वामशी पेडिपल्ली करेंगे। वहीं, प्रीति जिंटा फिल्म लाहौर 1947 में सनी देओल, शबाना आजमी, अली फजल और करण देओल के साथ नजर आएंगी। फिल्म का म्यूजिक ए आर रहमान ने तैयार किया है और गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं। प्रीति वाइब नाम के एक प्रोजेक्ट में भी नजर आएंगी।

दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी ने लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन

ने बुधवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें यह फैसला करना पड़ा। डेनमार्क का यह 32 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अक्टूबर से पीठ की समस्या के कारण किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया है। उन्होंने इसके लिए सर्जरी भी कराई लेकिन उनका दर्द अब भी बना हुआ है।

तीन बार के यूरोपीय चैंपियन एक्सेलसन ने बैडमिंटन यूरोप से कहा, जैसा कि अधिकतर लोग जानते हैं कि मैं काफी समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराने और लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन से गुजरने के बाद दुर्भाग्य से अक्टूबर में यह दर्द फिर से उबर गया। उन्होंने कहा, दर्द के कारण मैं खेल नहीं पा रहा हूं और अभ्यास भी नहीं कर पा रहा हूं। इस कारण मुझे यह बेहद मुश्किल फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल नाडा की आरटीपी सूची में शामिल

ये बड़े क्रिकेटर्स पहले से ही लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल को इस साल की दूसरी तिमाही के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल किया गया है। आरटीपी में शामिल 348 खिलाड़ियों की नवीनतम सूची में अभिषेक और अक्षर ने स्मृति मंधाना और श्रेयस अय्यर की जगह ली है। इन सभी खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी एजेंसी को अपने ठिकाने की जानकारी देनी होगी और प्रतिदिन एक निश्चित समय में परीक्षण के लिए उपलब्ध रहना होगा।

अपने ठिकाने की जानकारी देने में तीन बार विफल रहना डोपिंग का उल्लंघन माना जाता है। टेस्ट और वनडे के कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह

और तिलक वर्मा पहले की तरह इस सूची में बने रहेंगे। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा तथा शेफाली वर्मा और रेणुका सिंह ठाकुर इस सूची में बनी हुई हैं। कुल मिलाकर नाडा की इस सूची में 14 क्रिकेटरों को शामिल किया गया है।

नाडा की इस सूची में सर्वाधिक खिलाड़ी एथलेटिक्स से जुड़े हुए हैं। पिछली बार इनकी संख्या 118 थी जो अब बढ़कर 134 हो गई है। इनमें स्टीपलचेज के एथलीट अविनाश साबले, बाधा दौड़ की धाविका ज्योति याराजी, डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर और फर्राटा धावक अनिमेष कुजुर जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। लंबी कूद में हिस्सा लेने वाली शैली सिंह और एम श्रीशंकर तथा गोला फेंक की एथलीट तजिंदरपाल सिंह तूर को भी इस सूची में शामिल किया गया है।

तीरंदाजी से अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी, राकेश कुमार और मशहूर पैरा तीरंदाज शीतल देवी नाडा की इस सूची में शामिल हैं। हॉकी से मनप्रीत सिंह, कप्तान हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास और हार्दिक सिंह के साथ-साथ महिला टीम की कप्तान सलीमा टेटे, सविता पूनिया और नवनीत कौर भी इस सूची का हिस्सा हैं।

सीएसके की लगातार दो जीत के बाद अश्विन ने गायकवाड़ को दी सलाह

बल्लेबाजी दृष्टिकोण में करें बदलाव

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना ??है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में लगातार दो जीत से कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर दबाव कम होगा। उन्होंने इसके अलावा

खराब फॉर्म में चल रहे इस सलामी बल्लेबाज को पारी की शुरुआत में अपने दृष्टिकोण में थोड़ा बदलाव करने की सलाह भी दी। पांच बार की चैंपियन सीएसके ने शुरुआत में लगातार तीन हार झेली लेकिन इसके बाद उसने दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर शानदार वापसी की। अश्विन ने जियोस्टार पर कहा, कप्तान के तौर पर उन्हें दो जीत मिल चुकी हैं, जिससे वह सहज महसूस करेंगे। सच कहूं तो अगर मैं डगआउट में होता या रुतुराज गायकवाड़ होता तो ज्यादा चिंता नहीं करता। टी20 प्रारूप ऐसा है जहां आपको लगातार इरादा दिखाना होता है। गायकवाड़ रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। उन्होंने पांच मैचों में केवल 63 रन बनाए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 28 है। उनकी असफलता के कारण युवा आयुष म्हात्रे के संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करने की भी चर्चा बढ़ रही है।

जीरो टॉलरेंस या खोखला वादा?

ISL में कथित नस्लभेदी घटना ने खोली भारतीय फुटबॉल सिस्टम की पोल!

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग में फिर नस्लभेद का जिन्न सामने आया है, जिसने खेल प्रशासन की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बेंगलुरु स्थित श्री कांतीरावा स्टेडियम में 11 अप्रैल को बेंगलुरु एफसी और केरल ब्लास्टर्स के बीच खेले गए ISL मैच में सेनेगल के डिफेंडर फालू नडियाये को स्थानीय दर्शकों की भद्दी नस्लभेदी टिप्पणियों का शिकार होना पड़ा। केरल ब्लास्टर्स ने वह मैच 2-1 से जीता था।

केरल ब्लास्टर्स की कड़ी आपत्ति और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने मामले को अपनी अनुशासनात्मक समिति को सौंप दिया। हालांकि, AIFF और बेंगलुरु एफसी दोनों ने नस्लभेद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है, लेकिन प्रशंसक अब ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में खेल के मैदान नफरत का अखाड़ा न बने।

AIFF का दावा- हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति

बयान में कहा गया, ''AIFF नस्लवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) की नीति अपनाता है। शिकायतों को एआईएफएफ की अनुशासन संहिता के अनुसार जांच के लिए अनुशासन समिति को भेज दिया गया है। अनुशासन समिति एक स्वतंत्र न्यायिक संस्था है। जब तक यह कार्यवाही चल रही है, तब तक एआईएफएफ इस मामले पर कोई और टिप्पणी नहीं करेगा।

ईरान के साथ युद्ध खत्म होने के करीब है : ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म होने के करीब है और दावा किया कि यदि वह अभी पीछे हट जाएं, तो ईरान को दोबारा खड़े होने में 20 साल लग जाएंगे। राष्ट्रपति की यह टिप्पणी उस बयान के कुछ घंटों बाद आई है, जिसमें यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा था कि नाकेबंदी के पहले 24 घंटों में ईरान के बंदरगाहों और तटीय इलाकों से आने-जाने वाले सभी यातायात को सफलतापूर्वक रोक दिया गया है। साथ ही कहा गया कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन कर रहा है। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि यह लगभग खत्म हो चुका है। मैं इसे लगभग समाप्ति के करीब मानता हूं। यह साक्षात्कार बुधवार को प्रसारित किया जाएगा। मॉर्निंग्स विद मारिया कार्यक्रम के लिए यह साक्षात्कार मंगलवार को रिकॉर्ड किया गया था।

ट्रंप ने कहा, मुझे दिशा बदलनी पड़ी, क्योंकि अगर मैं ऐसा नहीं करता, तो आपके पास ऐसा ईरान होता जिसके पास परमाणु हथियार होता। और अगर उनके पास परमाणु हथियार होता, तो आप वहां हर किसी को सर कहकर संबोधित कर रहे होते और आप ऐसा नहीं करना चाहेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच 28 फरवरी से शुरू हुए संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए सप्ताहांत में इस्लामाबाद में हुई ऐतिहासिक लंबी वार्ता के बाद भी कोई समझौता नहीं हो सका। एक अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान के साथ बातचीत का दूसरा दौर अगले दो दिनों में इस्लामाबाद में हो सकता है। उन्होंने द न्यूयॉर्क पोस्ट से कहा, आपको वहीं रहना चाहिए, क्योंकि अगले दो दिनों में कुछ हो सकता है और हम वहां जाने के लिए अधिक इच्छुक हैं। ट्रंप ने संभावित दूसरे दौर की बातचीत का श्रेय पाकिस्तानी सेना के चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को देते हुए कहा कि उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, इसके होने की संभावना है, आप जानते हैं क्यों? क्योंकि फील्ड मार्शल बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या उपराष्ट्रपति जेडी वेंस उस वार्ता दल का नेतृत्व जारी रखेंगे, जिसमें व्हाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जैरेड कुशनर शामिल थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या अस्थाई रोक से ईरान समझौता करेगा, तो ट्रंप ने कहा, मैं लगातार कहता रहा हूं कि उनके पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए। इसलिए मुझे 20 साल वाली बात पसंद नहीं है। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता कि ईरान को यह महसूस हो कि उसने कोई जीत हासिल की है।

नाकाबंदी जारी रही तो फारस की खाड़ी बंद कर देंगे : ईरान

काहिरा, भाषा। ईरान की संयुक्त सैन्य कमान के कमांडर ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ईरानी बंदरगाहों से अपनी नाकेबंदी नहीं हटाता है, तो ईरान फारस की खाड़ी, ओमान सागर और लाल सागर में निर्यात एवं आयात पूरी तरह बंद कर देगा। ईरान की सरकारी मीडिया ने कमांडर अली अब्दुल्लाही के हवाले से कहा, ईरान अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता और हितों की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित रहेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नाकाबंदी युद्धविराम का उल्लंघन है। इजराइल और अमेरिका ने जब ईरान पर हमले शुरू किए थे, तब ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया था। सोमवार को अमेरिका ने ईरानी बंदरगाह क्षेत्रों में प्रवेश करने या बाहर निकलने की कोशिश कर रहे जहाजों की नाकाबंदी शुरू कर दी और कहा कि वह फारस की खाड़ी में अन्य जहाजों के आवागमन की स्वतंत्रता में बाधा नहीं डालेगा।

ईरान की परमाणु गतिविधियों के सत्यापन के लिए विस्तृत उपाय शामिल किए जाने चाहिए : आईएईए प्रमुख

सियोल, भाषा। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी आईएईए के प्रमुख ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते में ईरान की परमाणु गतिविधियों के सत्यापन हेतु बहुत विस्तृत उपायों को शामिल किया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के लिए एक संपूर्ण सत्यापन व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि ईरान के साथ वार्ता का दूसरा दौर अगले दो दिनों में हो सकता है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना युद्ध का एक प्रमुख लक्ष्य है। ईरान ने पहले कहा था कि वह ऐसे हथियार विकसित नहीं कर रहा है, लेकिन परमाणु कार्यक्रम पर किसी भी प्रकार की रोक को मानने से उसने इनकार किया है। पिछले सप्ताहांत पाकिस्तान में दोनों देशों के बीच हुई वार्ता का पहला दौर किसी समझौते पर नहीं पहुंच सका। व्हाइट हाउस ने कहा कि ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं मुख्य अड़चन थीं। हालांकि, ईरान के एक राजनयिक ने बंद कमरे में हुई वार्ता की संवेदनशीलता के कारण नाम गुप्त रखने की शर्त पर, इस बात से इनकार किया कि वार्ता ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं के कारण विफल हुई। ग्रॉसी ने सियोल में पत्रकारों से कहा, ईरान का परमाणु कार्यक्रम बहुत महत्वाकांक्षी और व्यापक है, इसलिए इसमें आईएईए निरीक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अन्यथा, कोई समझौता नहीं होगा। समझौता सिर्फ एक भ्रम बनकर रह जाएगा। उन्होंने कहा कि परमाणु प्रौद्योगिकी पर किसी भी समझौते के लिए विस्तृत सत्यापन तंत्र की आवश्यकता होती है। सदस्य देशों को वितरित की गई आईएईए की एक गोपनीय रिपोर्ट, जिसे एसोसिएटेड प्रेस ने फरवरी में देखा था, में कहा गया है ईरान ने अपनी उस परमाणु इकाई तक आईएईए को पहुंच की अनुमति नहीं दी जिसे निशाना बनाकर जून में 12 दिनों के युद्ध के दौरान इजराइल और अमेरिका द्वारा बमबारी की गई थी।

वेंस ने जॉर्जिया विश्वविद्यालय में मंगलवार को छात्रों को संबोधित करते हुए कहा...

खुद को सबसे पहले अमेरिकी नागरिक समझें प्रवासी : वेंस

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा है कि अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने वाले प्रवासियों को खुद को अमेरिकी समझना चाहिए, न कि उस देश का नागरिक जहां से वे आए हैं। वेंस ने जॉर्जिया विश्वविद्यालय में मंगलवार को छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी शादी भारतीय प्रवासी की बेटी से हुई है जिन्होंने अमेरिका में बहुत योगदान दिया है लेकिन उनके ससुर ने उनसे कभी भी विशेष रूप से अपने मूल देश के हित में कुछ भी करने के लिए नहीं कहा। भारतीय मूल की एक छात्रा के प्रश्न के उत्तर में वेंस ने कहा, जब आप अमेरिकी नागरिक बनते हैं, फिर चाहे आपके परिवार की नौ पीढ़ियां अमेरिका में रही हों या आपके परिवार की एक भी पीढ़ी अमेरिका में नहीं रही हो।

ऐसे में जिस जिम्मेदारी की नागरिकों से अपेक्षा की जाती है उनमें से एक यह है कि आपको देश के सर्वोत्तम हित के बारे में सोचना होगा न कि उस देश के बारे में जिससे आप पहले आए थे या किसी भी समूह के बारे में जिससे आप आए थे। छात्रा ने एच1-बी वीजा प्रणाली में धोखाधड़ी की शिकायत की और कहा कि उसके माता-पिता को अब तक ग्रीन कार्ड नहीं मिले हैं। उपराष्ट्रपति ने टर्निंग पॉइंट यूएसए द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, आपको खुद को एक अमेरिकी के रूप में सोचना होगा। यह व्यवस्था तभी काम करती है जब हर कोई खुद को एक अमेरिकी के रूप में सोचे। टर्निंग पॉइंट यूएसए एक गैर-लाभकारी संगठन है जो शैक्षणिक संस्थानों में रूढ़िवादी राजनीति को बढ़ावा देता है। वेंस ने अपने सीनेट चुनाव प्रचार के दौरान हुई एक घटना को याद किया जिसमें यूक्रेनी मूल के एक अमेरिकी ने उनसे उसके देश (यूक्रेन) का समर्थन करने के लिए कुछ करने का अनुरोध किया था। वेंस ने उस घटना को याद करते हुए यूक्रेनी मूल के अमेरिकी से कही गई अपनी बात का जिक्र किया। उन्होंने कहा, महोदय, पूरे सम्मान के साथ मैं कहना चाहता हूं कि यदि आप एक अमेरिकी हैं तो आपका देश अमेरिका है न कि वह स्थान जहां से आप कभी भी आकर बसे हैं। वेंस ने कहा कि उनके ससुर भारत से अमेरिका आए, यहीं शिक्षा प्राप्त की और अमेरिकी नागरिक बन गए। उपराष्ट्रपति ने कहा, ...मेरे जीवन में उन्होंने कभी भी, एक बार भी मुझसे ये नहीं कहा कि आपको यह करना होगा या आपको यह करना चाहिए क्योंकि यह उस देश के सर्वोत्तम हित में है जहां से मैं आया हूं। उपराष्ट्रपति का विवाह उषा वेंस से हुआ है। उषा वेंस लक्ष्मी और राधाकृष्ण चिलिकुरी की बेटी हैं जो 1980 के दशक में अमेरिका में आकर बस गए थे। उन्होंने कहा कि एच-1बी प्रणाली में बहुत धोखाधड़ी होती है, लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पूर्व में अमेरिका आए लोगों ने इस देश को समृद्ध बनाया है।

इजराइली पुलिस ने कचरे के ट्रक में छिपे करीब 70 फलस्तीनियों को पकड़ा

यरुशलम, भाषा। इजराइली पुलिस ने लगभग 70 फलस्तीनी पुरुषों को कचरा ढोने वाले एक ट्रक के अंदर छिपा हुआ पाया। ये लोग कथित तौर पर काम की तलाश में वेस्ट बैंक से इजराइल में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इजराइली पुलिस द्वारा जारी वीडियो में दिख रहा है कि सोमवार देर रात जब ट्रक का पिछला हिस्सा खोला गया तो उसमें कचरे वाले हिस्से में पुरुष ठूंस-ठूंस कर भरे हुए थे। वीडियो में पुलिसकर्मी ट्रक को घेरते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिनमें से कुछ ने हथियार ताने हुए थे। ट्रक के अंदर मौजूद कुछ लोगों ने बाहर निकाले जाने के दौरान हाथ ऊपर उठा लिए और उन्हें एक-एक कर बाहर निकाला गया। बीच-बीच में अरबी भाषा में एक आवाज सुनाई देती है- एस्कोत , जिसका मतलब है खामोश रहो। इजराइल के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ए लोग मध्य इजराइल में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे और उन्हें वेस्ट बैंक की एक जांच चौकी पर रोका गया। अधिकारियों ने घुसपैठ के प्रयास के मकसद पर कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी, लेकिन स्थानीय पुलिस कमांडर इताल अल्मोग ने उन्हें अवैध प्रवेशकर्ता बताया। यह शब्द आमतौर पर उन फलस्तीनियों के लिए इस्तेमाल होता है जो काम की तलाश में इजराइल में दाखिल होते हैं। अल्मोग ने बताया कि ये लोग इजराइल के विभिन्न शहरों की ओर जा रहे थे और उन्हें पूछताछ के लिए ले जाया गया है। ट्रक चालक, जो एक इजराइली नागरिक है, वैध लाइसेंस के बिना वाहन चला रहा था और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इजराइली पुलिस अक्सर कब्जे वाले वेस्ट बैंक से अवैध प्रवेशकर्ताओं के मामलों की जानकारी देती है, खासकर तब से जब सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद इजराइल ने हजारों फलस्तीनियों के काम करने के परमिट रद्द कर दिए थे।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका : कैलिफोर्निया विधानसभा ने बैसाखी को दी आधिकारिक मान्यता

» वाशिंगटन, भाषा।

कैलिफोर्निया विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित कर बैसाखी को सिख-अमेरिकियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक के रूप में मान्यता दी है और राज्य के लोगों को बैसाखी के पर्व पर होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। यह प्रस्ताव विधानसभा सदस्य जसमीत कौर बैंस द्वारा पेश किया गया, जिसे 80 सदस्ईय सदन में से 76 सदस्यों का समर्थन मिला और इसे बैसाखी की पूर्व संध्या पर सोमवार को पारित किया गया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने एक्स पर एक पोस्ट किया, कैलिफोर्निया में बैसाखी मना रहे सिख समुदायों को मेरी ओर से नववर्ष और भरपूर फसल के लिए शुभकामनाएं। बैसाखी दीयां लख-लख बधाइयां। प्रस्ताव में कहा गया है कि विधानसभा 14 अप्रैल 2026 को मनाई जा रही बैसाखी को मान्यता देती है और इसे सिख इतिहास व सिख-अमेरिकियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिवस मानते हुए इस अवसर पर गहरा सम्मान व्यक्त करती है।

साथ ही, इसमें दुनिया भर के दक्षिण एशियाई समुदायों और प्रवासी भारतीयों के साथ इस उत्सव को मनाने वालों के प्रति सम्मान जताया गया। अमेरिका के कई नेताओं ने भी सिख समुदाय को बधाई दी। सीनेटर चक शूमर ने कहा कि यह दिन 1699 में खालसा पंथ की स्थापना का प्रतीक है, जो समानता, सेवा और साहस की परंपरा को दर्शाता है। वहीं, टेक्सास से कांग्रेस सदस्य लिजी फ्लेचर और कैलिफोर्निया से सांसद ब्रैड शेरमन ने सिख समुदाय के योगदान को सराहा, जबकि मैरीलैंड से कांग्रेस सदस्य जेमी रस्किन ने इसे परिवार और मित्रों के साथ खुशियां मनाने का पर्व बताया। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने इसे सिख और हिंदू समुदाय के सम्मान का ऐतिहासिक क्षण बताया।

श्रीलंका ने दो सौ तीस से अधिक ईरानी नौसैनिकों को उनके देश भेजा

» कोलंबो।, भाषा।

श्रीलंका में अमेरिकी पनडुब्बी हमले और इंजन फेल होने की घटनाओं के बाद संकट में फंसे ईरानी नौसेना के दो जहाजों के 230 से अधिक नाविकों को स्वदेश भेज दिया गया है। रक्षा अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कुल 238 नाविकों को मंगलवार देर रात तुर्किए की एक एयरलाइन के विमान से वापस भेजा गया। चार मार्च को ईरान का नौसैनिक जहाज आईरिस डेना श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र के बाहर अमेरिकी हमले का शिकार हुआ था, जिसमें 84 नाविकों की मौत हो गई थी। इस घटना में 32 अन्य लोगों को श्रीलंका ने बचाया था।

इसके तीन दिन बाद ईरान के दूसरे जहाज आईरिस बुशहर को इंजन खराब होने की सूचना के बाद श्रीलंका के जल क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति दी गई थी। इस जहाज पर सवार 200 से अधिक लोगों को कोलंबो के पास स्थित नौसेना के वेलिसारा केंद्र में ठहराया गया। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को वापस भेजे गए 238 नाविक दोनों जहाजों के थे। आईरिस डेना के कुछ बचे हुए लोगों को गाले के पास स्थित श्रीलंकाई वायुसेना के कोग्गाला केंद्र में रखा गया था, जहां उनका एक राष्ट्रीय अस्पताल में इलाज चल रहा था।

व्यापार समझौते पर पुनर्विचार करने की ट्रंप की धमकी के बाद स्टार्मर ने कहा युद्ध में नहीं उलझेंगे

» लंदन, भाषा।

ईरान पर अमेरिकी हमलों में शामिल न होने के ब्रिटेन के फैसले को लेकर लंदन और वाशिंगटन के बीच पिछले साल हुए व्यापार समझौते पर पुनर्विचार करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के एक दिन बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने बुधवार को पलटवार करते हुए कहा कि उनका देश युद्ध में नहीं उलझेगा। ट्रंप ने समाचार चैनल स्काई न्यूज के साथ मंगलवार को फोन पर हुई बातचीत में कहा था कि यह दुखद है कि ब्रिटेन के साथ तथाकथित खास रिश्तों में खटास आ गई है, जबकि उन्होंने एक अच्छे व्यापार समझौते पर सहमति जताई थी, जिसे (फैसले को) हमेशा बदला जा सकता है।

ब्रिटिश संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में लिबरल डेमोक्रेट नेता एड डेवी ने ट्रंप की ताजा धमकी का जिक्र किया और इसके मद्देनजर महाराजा चार्ल्स तृतीय की अमेरिका की प्रस्तावित राजकीय यात्रा पर सवाल उठाए। स्टार्मर ने सदन से कहा, ईरान युद्ध पर मेरा रुख शुरू से ही स्पष्ट रहा है। हम इस युद्ध में नहीं उलझेंगे। यह हमारा युद्ध नहीं है। उन्होंने कहा, मुझ पर अलग रुख अपनाने के लिए बहुत दबाव डाला गया और उस दबाव में कल रात का घटनाक्रम (स्काई न्यूज के साथ ट्रंप का साक्षात्कार) भी शामिल है।

शरीफ द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तीन देशों के दौरे पर रवाना होंगे

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बुधवार को सऊदी अरब, कतर और तुर्किए की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रवाना होंगे। इस यात्रा के दौरान वह द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर चर्चा करेंगे। विदेश कार्यालय के एक बयान में कहा गया है कि शरीफ तुर्किए में आयोजित होने वाले पांचवें अंताल्या कूटनीति मंच में भी भाग लेंगे। शरीफ की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब पाकिस्तान ईरान और अमेरिका को बातचीत की मेज पर वापस लाने के लिए उच्च स्तरीय संपर्क स्थापित करने में लगा हुआ है। संभावना है कि अगले सप्ताह तक दोनों पक्ष इस्लामाबाद में वार्ता के दूसरे दौर के लिए फिर से मिलेंगे।

ग्यारह अप्रैल को उपराष्ट्रपति जेडी वैंस के नेतृत्व में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल और ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ के नेतृत्व में ईरानी प्रतिनिधिमंडल, 28 फरवरी को शुरू हुए संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए इस्लामाबाद में हुई ऐतिहासिक वार्ता के बाद किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके। विदेश कार्यालय ने बताया कि शरीफ की 15 से 18 अप्रैल तक सऊदी अरब और कतर की यात्रा द्विपक्षीय संदर्भ में होगी, जहां प्रधानमंत्री संबंधित देशों के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और चल रहे द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ आज इस्लामाबाद से जेद्दा के लिए अपने आधिकारिक दौरे पर रवाना होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि इस यात्रा में उनके साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा। प्रधानमंत्री का यह सऊदी अरब दौरा ऐसे समय हो रहा है जब वाशिंगटन में वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने घोषणा की कि खाड़ी देश ने पाकिस्तान को अतिरिक्त तीन अरब अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता देने का वादा किया है, जिसकी राशि अगले सप्ताह जारी होने की उम्मीद है। इसके अलावा, सऊदी अरब ने अपने मौजूदा पांच अरब डॉलर के जमा को भी लंबी अवधि के लिए बढ़ाने पर सहमति जताई है।

सेना प्रमुख मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल शांति वार्ता के लिए ईरान पहुंचा

इस्लामाबाद, भाषा। अमेरिकी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के नेतृत्व में एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल बुधवार को तेहरान पहुंचा। यह प्रतिनिधिमंडल अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष को सुलझाने के इस्लामाबाद के प्रयासों का हिस्सा है। सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने एक बयान में कहा कि मुनीर उस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं जिसमें गृह मंत्री मोहसिन नकवी भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और गृह मंत्री मोहसिन नकवी प्रतिनिधिमंडल के साथ जारी मध्यस्थता प्रयासों के तहत तेहरान पहुंचे हैं। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बुधवार को सऊदी अरब, कतर और तुर्कीए की आधिकारिक यात्राओं पर रवाना हुए। विदेश कार्यालय ने कहा कि सऊदी अरब और कतर की ये यात्राएं द्विपक्षीय संदर्भ में होंगी, जहां प्रधानमंत्री दोनों देशों के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और जारी द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर चर्चा करेंगे। ये दौरे जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान को एक समझौते पर पहुंचने में मदद करने के प्रयासों का हिस्सा हैं।

रोहिंग्या और बांग्लादेशियों समेत ढाई सौ लोगों को ले जा रही नौका अंडमान सागर में डूबी

» ढाका, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी और प्रवासन एजेंसियों ने बताया कि हाल ही में अंडमान सागर में मलेशिया जा रही एक नाव पलटने से कम से कम 250 लोग लापता हो गए हैं, जिनमें रोहिंग्या शरणार्थी और बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि विवरण अभी स्पष्ट नहीं हैं लेकिन बांग्लादेश तटरक्षक बल के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कमांडर सब्बीर आलम सुजान ने बुधवार को बताया कि नौ अप्रैल को नौ लोगों को बचाया गया, जिनमें तीन रोहिंग्या और छह बांग्लादेशी शामिल हैं। सुजान ने बताया कि बांग्लादेश के ध्वजवाहक पोत एम.टी. मेघना प्राइड ने इन नौ लोगों को तब बचाया, जब जहाज के चालक दल ने नाव पलटने के बाद उन्हें समुद्र में तैरते हुए पाया। इस घटना के बाद किसी खोज अभियान की स्थिति बुधवार तक स्पष्ट नहीं हो सकी और न ही यह पता है कि नौका कब डूबी।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने मंगलवार को जारी संयुक्त बयान में कहा कि यह नाव टेकनाफ से रवाना हुई थी, जो बांग्लादेश के दक्षिणी जिले कॉक्स बाजार में स्थित है और इसमें बड़ी संख्या में यात्री सवार थे जो मलेशिया जा रहे थे। एजेंसियों के अनुसार, अधिक भीड़, तेज हवाओं और उफनते समुद्र के कारण नाव का नियंत्रण बिगड़ गया और वह डूब गई। कॉक्स बाजार में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त की संचार अधिकारी शारी निजमैन ने बुधवार को कहा कि एजेंसी के पास इस मामले में कोई अन्य जानकारी नहीं है। तटरक्षक बल के एक अन्य मीडिया अधिकारी ने बुधवार को फोन पर द एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि बचाए गए सभी आठ पुरुष और एक महिला सुरक्षित हैं। उन्हें तटरक्षक बल को सौंपा गया, जिसने उन्हें टेकनाफ में पुलिस के हवाले कर दिया। अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि यह बचाव किसी आधिकारिक खोज अभियान का हिस्सा नहीं था, क्योंकि यह बांग्लादेश की सीमा के बाहर हुआ। एम.टी. मेघना प्राइड के चालक दल ने इन लोगों को उस समय बचाया, जब जहाज बांग्लादेश के चटगांव से इंडोनेशिया जा रहा था। यूएनएचसीआर और आईओएम ने कहा कि यह घटना रोहिंग्या लोगों के लंबे समय से चले आ रहे विस्थापन और स्थाई समाधान के अभाव को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि म्यांमा के रखाइन प्रांत में जारी हिंसा के कारण रोहिंग्या शरणार्थियों की देश में सुरक्षित वापसी अनिश्चित बनी हुई है। साथ ही शरणार्थी शिविरों में सीमित मानवीय सहायता, शिक्षा और रोजगार तक सीमित पहुंच उन्हें जोखिम भरी समुद्री यात्राएं करने के लिए मजबूर कर रही है, जो अक्सर बेहतर वेतन और अवसरों के झूठे वादों पर आधारित होती हैं। यूएनएचसीआर और आईओएम ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि बांग्लादेश में रह रहे रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए जीवन रक्षक सहायता सुनिश्चित करने हेतु वित्तीय सहयोग और एकजुटता को मजबूत किया जाए। बांग्लादेश ने म्यांमा से आए 10 लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों को शरण दे रखी है।

सिख समूह ब्रिटेन की मुस्लिम विरोधी शत्रुता की परिभाषा को चुनौती देने के लिए जुटा रहा चंदा

लंदन, भाषा। ब्रिटेन में सिख संगठनों की एक मूल संस्था ने सरकार द्वारा प्रस्तावित नई मुस्लिम-विरोधी शत्रुता की परिभाषा को कानूनी रूप से चुनौती देने के लिए धन जुटाने के वास्ते चंदा इकट्ठा करने का अभियान प्रारंभ किया है। आवास, समुदाय और स्थानीय सरकार के राज्य सचिव स्टीव रीड ने पिछले महीने संसद में सामाजिक एकता की रणनीति के साथ इस परिभाषा को पेश किया था, जिसका उद्देश्य मुसलमानों या जिन्हें मुसलमान माना जाता है उनके प्रति अस्वीकार्य पूर्वाग्रह, भेदभाव और घृणा पर रोक लगाना है। हालांकि, कुछ ब्रिटिश हिंदू और सिख समूहों ने इस बात पर चिंता व्यक्त की थी कि इस तरह की परिभाषा का ब्रिटेन में धर्म की स्वतंत्रता पर क्या प्रभाव पड़ेगा। द नेटवर्क ऑफ सिख ऑर्गनाइज़ेशन (एनएसओ) ने कहा, सरकार द्वारा समर्थित मुस्लिम विरोधी शत्रुता की परिभाषा के कारण ब्रिटेन के सिखों की धर्म और आस्था की स्वतंत्रता खतरे में है। संगठन ने कहा, सरकार की कार्वाइयों और ब्रिटेन के सिखों तथा अन्य धार्मिक समूहों के अपने धर्मों का पालन करने की क्षमता पर उनके संभावित प्रभाव के कारण हम न्यायिक समीक्षा का सहारा लेने के लिए विवश हैं। संगठन ने कहा, हमारा मानना है कि सभी के लिए एक ही कानून होना चाहिए। जैसा कि हमने पहले भी कहा है, एनएसओ को आशंका है कि नई गैर-वैधानिक परिभाषा स्कूलों, विश्वविद्यालयों, परिषदों, कार्यस्थलों और ऑनलाइन क्षेत्र में व्यापक रूप से फैल जाएगी।

शोध डिजिटल युग में परिवारों के सामने बढ़ते तनाव को उजागर करता : सनी वर्की

सोलह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध को भारत में व्यापक समर्थन

» लंदन, भाषा।

भारत में अभिभावकों ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध का जोरदार समर्थन किया है। ब्रिटेन स्थित शिक्षा संस्था वर्की फाउंडेशन द्वारा मंगलवार को जारी एक नए वैश्विक शोध में भारत प्रतिबंध के पक्ष में 75 प्रतिशत समर्थन के साथ मलेशिया (77 प्रतिशत) के बाद दूसरे स्थान पर रहा। फाउंडेशन के लिए फैमिली फर्स्ट विश्लेषण ऐसे समय में सामने आया है, जब ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू किया है और अन्य देश भी इसी तरह के कदमों पर विचार कर रहे हैं।

भारत में जेन जेड के अधिकतर उत्तरदाताओं (73 प्रतिशत) ने भी इस तरह के प्रतिबंध का समर्थन किया, जो सर्वेक्षण में शामिल सभी देशों में सबसे अधिक है। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि यही पीढ़ी बचपन से सोशल मीडिया के साथ पली-बढ़ी है। फैमिली फर्स्ट और वर्की फाउंडेशन के संस्थापक सनी वर्की ने कहा, यह शोध डिजिटल युग में परिवारों के सामने बढ़ते तनाव को उजागर करता है। उन्होंने कहा, दुनिया भर के माता-पिता अपने बच्चों पर सोशल मीडिया के प्रभाव को लेकर लगातार चिंतित हैं। फैमिली फर्स्ट के माध्यम से हमारा उद्देश्य केवल प्रतिबंध पर बहस करना नहीं है, बल्कि इस पर व्यापक चर्चा शुरू करना है कि प्रौद्योगिकी पारिवारिक संबंधों और युवाओं के मूल्यों को कैसे प्रभावित कर रही है। शोध एजेंसी वी आर फैमिली को जनवरी और फरवरी 2026 में 6,000 से अधिक माता-

पिता, उनके नौ से 18 वर्ष आयु वर्ग के 6,000 से अधिक बच्चों, 3,000 दादा-दादी या नाना-नानी और 3,000 जेन जेड प्रतिभागियों से बातचीत करने के लिए नियुक्त किया गया था। इस शोध में भारत, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जापान, केन्या, मलेशिया, नाइजीरिया, स्वीडन, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देश शामिल थे। जहां मलेशिया, भारत और फ्रांस सोशल मीडिया प्रतिबंध के समर्थन में सबसे आगे रहे, वहीं जापान (38 प्रतिशत) में इसका समर्थन सबसे कम रहा। इसके बाद नाइजीरिया (39 प्रतिशत) और अमेरिका (51 प्रतिशत) का स्थान रहा। ऑस्ट्रेलिया, जो 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने वाला दुनिया का पहला देश है, वहां 66 प्रतिशत माता-पिता इस कदम के समर्थन में हैं। फैमिली फर्स्ट के आंकड़ों से यह भी सामने आया कि दुनिया भर में माता-पिता और बच्चों के बीच इस मुद्दे पर मतभेद है, हालांकि भारत इस प्रवृत्ति से अलग है। वैश्विक स्तर पर 18 वर्ष से कम आयु के केवल 37 प्रतिशत बच्चे इस प्रतिबंध का समर्थन करते हैं, जिससे उनके और उनके माता-पिता के बीच 23 अंकों का अंतर बनता है। सबसे अधिक पीढ़ीगत अंतर ऑस्ट्रेलिया (34 अंक), स्वीडन (33 अंक) और कनाडा (32 अंक) में देखा गया। युवाओं में इस प्रतिबंध का समर्थन मलेशिया और भारत (दोनों 62 प्रतिशत) तथा चीन (50 प्रतिशत) में सबसे अधिक है, जबकि जापान (20 प्रतिशत), अर्जेंटीना और स्वीडन (26 प्रतिशत) में सबसे कम है। उल्लेखनीय है कि 1997 से 2012 के बीच जन्मी जेन जेड पीढ़ी में भी 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध का समर्थन भारत में वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक पाया गया और यह वैश्विक औसत 51 प्रतिशत से काफी ज्यादा है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com